शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 248 | गुवाहाटी | सोमवार, 13 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के लिए एकजुट हों पेज 2
त्रिपुरा जनजातीय परिषद चुनाव में 83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया पेज 3
पटना मुख्यमंत्री आवास में बैठकों का दौर जारी ललन सिंह पहुंच रहे पटना... पेज 5
सुजीत और अभिमन्यु ने जीते गोल्ड, एड्शयन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो मनुष्य संयम के साथ, विद्यार्जन करता है, और अपने विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक मे नहीं वरन परलोक मे भी होती है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

वार्ता विफल : अमेरिका का ईरान से नहीं हुआ समझौता, उपराष्ट्रपति स्वदेश रवाना

इस्लामाबाद (हि.स.)। अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद शांति वार्ता विफल हो गई। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल के बीच करीब 21 घंटे तक बातचीत हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान से स्वदेश रवाना हो गए हैं। पहले यह कहा गया था कि आज भी बातचीत होगी। अमेरिका रवाना होने से पहले वेंस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए। उनकी नजर में यह अमेरिका के मुकाबले ईरान के लिए कहीं ज्यादा बुरी खबर है। इसलिए, वह बिना किसी समझौते के अमेरिका लौट रहे हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उपराष्ट्रपति जेडी वैंस रविवार को स्थानीय समय अनुसार सुबह 7:09 बजे एयर फोर्स टू में सवार होकर पाकिस्तान से अमेरिका के लिए रवाना हो गए। उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ 21 घंटे तक चली बातचीत पूरी करने के बाद यह कदम उठाया। यह बातचीत बिना किसी समझौते पर पहुंचे ही समाप्त हो गई। जेंस ने रविवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि ईरान ने शर्तें स्वीकार न करने का फैसला किया है। अमेरिका के ऑपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू किए जाने के एक महीने से भी अधिक समय बाद उपराष्ट्रपति शनिवार सुबह ईरान के साथ बातचीत का नेतृत्व करने के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। डॉन अखबार के अनुसार, वेंस ने दोनों देशों के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद यहां संवाददाता -शेष पृष्ठ दो पर

वार्ता की विफलता के लिए अमेरिका जिम्मेदार : ईरान

तेहरान। ईरान ने अमेरिक पर बड़ा आरोप लगाया है। ईरान के मुख्य वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर घालिवाफ ने कहा कि इस्लामाबाद में हुई बातचीत के फेल होने के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक चली बातचीत के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान में सब खत्म कर देंगे : ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में हुई लंबी शांति वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म हो गई है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और तेज करेगा। यह बातचीत करीब 20 घंटे तक चली और इसे 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद दोनों देशों के बीच सबसे अहम बैठक माना जा रहा था। हालांकि कई मुद्दों पर सहमति बनने के बावजूद

सबसे बड़ा विवाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम सुलझ नहीं सका। ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा छोड़ने को तैयार नहीं है और यही बातचीत टूटने की सबसे बड़ी वजह बनी। डोनल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के देशों में चिंता और अस्थिरता बढ़ी है। ट्रंप ने कहा कि अब अमेरिकी नौसेना इस जलमार्ग में आने-जाने वाले -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं रही सुरों की मल्लिका आशा भोसले

देशभर में शोक की लहर, अंतिम संस्कार आज

मुंबई (हि.स.)। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रविवार को उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। शनिवार को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज यूनिट में उनका इलाज चल रहा था। दुनियाभर के फैंस आशा भोसले की सलामती की दुआ कर रहे थे, लेकिन सुरों की यह महान आवाज आज खामोश हो गई। इसकी पुष्टि उनके बेटे आनंद भोसले ने की। गायिका को अत्यधिक थकान और सीने में संक्रमण की शिकायत के चलते ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने पहले ही सोशल मीडिया के जरिए उनके स्वास्थ्य की जानकारी दी थी और लोगों से निजता बनाए रखने की अपील की थी। जैसे ही उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आई, फैंस बड़ी संख्या में अस्पताल और उनके घर के बाहर जुटने लगे थे। सभी को उम्मीद थी कि आशा भोसले जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगी, लेकिन उनकी यह उम्मीद टूट गई। परिवार के अनुसार आशा भोसले का अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। उनका पार्थिव शरीर सुबह 11 बजे लोअर परेल स्थित उनके आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा, जिसके बाद शाम 4 बजे मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा। इसी स्थान पर उनकी बहन और स्वर कोकिला लता मंगेशकर का भी अंतिम संस्कार किया गया था। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले ने सात दशकों से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

असम में सुबह सुबह लगे भूकंप के झटके, कछार था केंद्र

सिलचर। असम में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के नुकसान या हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। नेशनल सेंटर -शेष पृष्ठ दो पर

तिनसुकिया में अल्फा-आई के सात सहयोगी गिरफ्तार

मार्गेरिटा। असम पुलिस और अरुणाचल प्रदेश पुलिस के संयुक्त अभियान के परिणामस्वरूप तिनसुकिया जिले में अंतर्राज्यीय सीमा के पास प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) के सात संदिग्ध लिंकमैन को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर 7 अप्रैल को शुरू हुए एक -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस ने चुनावी मामले में कुंकी चौधरी को समन भेजा, एजेपी ने *राजनीति से प्रेरित* बताया

गुवाहाटी। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने हाल में हुए राज्य विधानसभा चुनाव में गुवाहाटी सेंट्रल से पार्टी के उम्मीदवार कुंकी चौधरी को पुलिस द्वारा समन किए जाने को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन क्षेत्र में अपने खिलाफ जनादेश को देख कर घबरा गई है। चुनाव संबंधी मामले में समन मिलने के बाद चौधरी सुबह पानबाजार पुलिस थाना पहुंचीं। उन्हें शनिवार को नोटिस देकर रविवार पूर्वाह्न 11 बजे से

पहले पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था और ऐसा नहीं करने पर उनकी गिरफ्तारी की बात कही गई थी। भाजपा कार्यकर्ता नबा कुमार लखकर ने नौ अप्रैल को मतदान के दिन चौधरी और उनके चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधक संदीप यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कुमार ने आरोप लगाया गया था कि दोनों ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों के संचालन में बाधा डाली। अधिवक्ता शांतनु बोरठाकुर ने पुलिस थाना के -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव परिणामों से पहले दावों की जंग

गोगोई ने ईवीएम में हेराफेरी का मुद्दा उठाया तो नादेश पर नजर रखे हुए हैं मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मतगणना शुरू होने से पहले ही, रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई ने दावा किया है कि यदि चुनावी प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष रही तो विपक्ष सत्ता में आएगा। मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं – यदि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में कोई छेड़छाड़ नहीं होती है, तो विपक्ष निश्चित रूप से इस बार सरकार बनाएगा, गोगोई ने कहा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मशीनों में हेरफेर करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमने जो सुना

है उसके अनुसार, भाजपा ने गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश और दिल्ली से विशेषज्ञों को बुलाया है। वे सुरक्षित कक्षों में रखी ईवीएम मशीनों को हैक करने और जनता द्वारा दिए गए जनादेश को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। शिवसागर के उम्मीदवार ने विपक्षी कार्यकर्ताओं से ईवीएम रखे जाने वाले स्ट्रांग रूमों पर कड़ी निगरानी रखने का आग्रह किया। इस बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने अरुणाचल पर चीन के दावों को किया खारिज, कहा–

मनगढ़ंत कहानियों से नहीं बदलेगी हकीकत

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की कुछ जगहों को फर्जी नाम देने की कोशिश को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया है। एमईए के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया क्वेरी के जवाब में कहा कि ऐसी किसी भी शरारती कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों, पहाड़ों, दर्रों, नदियों और बस्तियों के लिए चीनी नाम जारी किए हैं। भारत इसे दक्षिण तिब्बत मानकर अपना दावा जताता रहा है, लेकिन भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय ने कहा

कि हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नामकरण के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखे हुए है। हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इन प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। रंधीर जायसवाल ने आगे कहा कि क्रिएटिव नामकरण इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। चीन की ओर से झूठे दावे पेश करना और बेबुनियाद कथानक गढ़ना इस हकीकत को नहीं बदल सकता। एमईए ने -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार राजनीति में शिवराज की एंट्री भाजपा का सीएम फेस करेंगे फाइनल

पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद अब राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी सिलसिले में आज मुख्यमंत्री आवास पर भाजपा और जदयू विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने इस राजनीतिक बदलाव को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

बीएसएफ जवान की हत्या के बाद मणिपुर में तलाशी अभियान जारी, 21 अवैध बंकर नष्ट किए गए

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बीएसएफ जवान की हत्या के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को लगातार तीसरे दिन उग्रवादियों को पकड़ने के लिए अपना संयुक्त तलाशी अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने जिले में अवैध रूप से बनाए गए 21 बंकरों को भी नष्ट कर दिया। इंफाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ)

के कांस्टेबल मिथुन मंडल की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध उग्रवादियों का पता लगाने के लिए उखरुल और आसपास के जिलों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को जब वह अन्य बीएसएफ जवानों के साथ हिंसा प्रभावित जिले में *रोड ओपनिंग पार्टी* (आरओपी) की ड्यूटी पर थे, तभी उन पर हमला किया गया था। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद बीएसएफ कांस्टेबल का पार्थिव शरीर शनिवार को पश्चिम बंगाल के -शेष पृष्ठ दो पर

महिला आरक्षण पर चर्चा से पहले भाजपा ने जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी विशेष संसद सत्र को लेकर अपने सभी सांसदों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। पार्टी ने लोकसभा और

राज्यसभा के सभी सदस्यों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए 16 से 18 अप्रैल तक सदन में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है। पार्टी की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस अवधि के दौरान किसी भी सांसद या केंद्रीय मंत्री को छुट्टी नहीं दी जाएगी। सभी सदस्यों को लगातार सदन में उपस्थित रहने और संसद की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, यह विशेष संसद सत्र महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बुलाया गया है। सरकार का लक्ष्य इस ऐतिहासिक विधेयक पर व्यापक बहस -शेष पृष्ठ दो पर

बेमौसम बारिश और चुनाव की थकान ने ऊपरी असम में बिहू के उत्साह को फीका किया

डिब्रूगढ़। असम में रोंगाली बिहू की तैयारियों के बीच, डिब्रूगढ़ और ऊपरी असम के अन्य जिलों में इस त्योहार का उत्साह कुछ फीका सा ही नजर आ रहा है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों और पिछले एक महीने से जारी लगातार बेमौसम बारिश के कारण स्थानीय लोग राजनीतिक उत्साह और खराब मौसम के बीच जूझ रहे हैं, जिससे त्योहार से पहले की सामान्य चहल-पहल में देरी हो रही है। रोंगाली बिहू, जिसे बोहाग बिहू के नाम से भी जाना जाता है, असमिया नव वर्ष और फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। परंपरागत रूप से, यह त्योहार हुसोरी नृत्यों, बिहू

नृत्यों, पीठा और पारंपरिक मिठाइयों के भोज और खुले आसमान के नीचे सामुदायिक समारोहों से गुलजार रहता है। बाजार ताजी उपज से भरे रहते हैं, पशु मेले भीड़ को आकर्षित करते हैं और गांवों में बांसुरी और ढोल की गूंज सुनाई देती है। हालांकि, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और जोरहाट जैसे ऊपरी असम के प्रमुख शहरों में अभी भी उत्सव का माहौल पूरी तरह से नहीं बना है। 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों ने इस क्षेत्र की सारी ऊर्जा को समाप्त कर दिया। चुनावी रैलियों, -शेष पृष्ठ दो पर

तृणमूल का जाना तय, बंगाल में बदलाव की लहर : पीएम

सिलीगुड़ी (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर बंगाल के प्रमुख शहर सिलीगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोला और राज्य में बदलाव का आह्वान किया। रविवार दोपहर कावाखाली मैदान में आयोजित इस रैली में भारी भीड़ जुटी। सभा स्थल पर पहुंचते ही प्रधानमंत्री ने लोगों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इतनी बड़ी भीड़ उन्होंने बहुत कम जगहों पर देखी है। उन्होंने दावा किया कि यह जनसमर्थन स्पष्ट संकेत है कि पश्चिम बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन तय है। जनसभा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

मानस राष्ट्रीय उद्यान में सड़क पर सोता दिखा बाघ

मानस राष्ट्रीय उद्यान (हिंस)। असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान में एक बाघ के सड़क के बीचों-बीच सोते हुए दिखाई देने से पर्यटकों के बीच उत्सुकता का माहौल बन गया। यह घटना उद्यान के बांसबाड़ी रेंज से मथनगुड़ी की ओर जाने वाले मार्ग पर रविवार सुबह सामने आई, जहां बाघ सड़क पर शांत अवस्था में आराम करता नजर आया। मौके पर मौजूद पर्यटकों ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने कैमरों में कैद कर लिया। जंगल के इस अनोखे और शांत दृश्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वन विभाग की ओर से बताया गया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई।

पीएम मोदी की राजनीतिक दलों से अपील

महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के लिए एकजुट हों

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 से 18 अप्रैल तक होने वाले संसद के विशेष सत्र से पहले सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखकर *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* (महिला आरक्षण कानून) को लागू करने के लिए समर्थन मांगा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। वर्ष 2023 में पारित मूल महिला आरक्षण कानून के अनुसार, यह आरक्षण 2027 की जनगणना के बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया के बाद ही लागू हो सकता था। इस स्थिति में महिलाओं को 2034 से पहले आरक्षण मिलना संभव नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में स्पष्ट किया कि विस्तृत विचार-विमर्श और विशेषज्ञों की राय के बाद सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि इसे 2029 के आम चुनाव से ही लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए कानून के वर्तमान स्वरूप में संशोधन करना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री के अनुसार, इस संशोधन के पारित होने से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा। लोकसभा में सीटों की संख्या वर्तमान से बढ़कर 816 हो जाएगी। कुल सीटों में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नीति-निर्धारण और नेतृत्व में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। पीएम मोदी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि अंतरिक्ष से लेकर खेल और सशस्त्र बलों तक भारत की बेटियां अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2023 में संसद ने एकजुट होकर इस अधिनियम का समर्थन किया था, जो हमारी लोकतांत्रिक एकता का प्रतीक था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह क्षण किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर है, यह महिलाओं और हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का समय है। संसद के बजट सत्र की अवधि बड़ा दी गई है और विशेष सत्र 16 अप्रैल से शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई है कि सभी सांसद दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस ऐतिहासिक परिवर्तन का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 140 करोड़ भारतीयों और देश की नारी शक्ति के लिए यह एक बढ़ी उपलब्धि साबित होगी।

मप्र के खंडवा में राज्य कर ऑफिस में लगी आग, पूरी बिल्डिंग राख

खंडवा (हि.स.)। मध्य प्रदेश के खंडवा शहर में रविवार दोपहर जिला जेल के सामने स्थित सेल्स टैक्स (राज्य कर) कार्यालय में अचानक जबरदस्त आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में बिल्डिंग में रखे करोड़ों के रिकॉर्ड जलकर राख हो गए। रविवार दोपहर करीब 2 बजे स्थानीय रहवासियों ने दफ्तर से धुआं और आग की लपटें उठती देख तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही सबसे पहले कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीमों को भी अलर्ट किया गया, लेकिन तब तक आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दफ्तर के महत्वपूर्ण दस्तावेज, कंप्यूटर और फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद करीब आधे घंटे के भीतर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोग भी इस दौरान मदद में जुटे रहे। लंबे प्रयास के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका, लेकिन तब तक इमारत के अंदर का अधिकांश हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। चूंकि रविवार का अवकाश होने के कारण दफ्तर के अंदर कोई कर्मचारी या अधिकारी मौजूद नहीं था। इस कारण एक बड़ा जनहानि का हादसा टल गया, लेकिन आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान बेहद गंभीर बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस और फायर विभाग नुकसान का आकलन कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में उसने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। इधर, आग लगने के कारण को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। प्रारंभिक जांच में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कार्यालय परिसर में मौजूद सूखी झाड़ियों को साफ करने के लिए उनमें आग लगाई गई थी। इसी दौरान तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया और बढ़ते-बढ़ते सीधे बिल्डिंग तक पहुंच गई। हालांकि, इस दावे पर प्रशासनिक स्तर पर पूरी तरह सहमति नहीं है। जीएसटी की असिस्टेंट कमिश्नर ज्योति ब्रह्मे ने आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की संभावना भी जताई है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने रविवार को दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर कहा कि आशा भोसले के निधन से संगीत जगत में एक गहरा शून्य उत्पन्न हो गया है। एक प्रतिष्ठित गायिका के रूप में उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक युग को परिभाषित किया है। मुझे उनसे व्यक्तिगत रूप से हुई मुलाकातों की सुखद यादें हैं। अपनी मधुर और सदाबहार आवाज से उन्होंने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उनका संगीत अमर रहेगा। उनका निधन संगीत प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आशा भोसले की बेमिसाल आवाज और संगीत की विरासत लाखों लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आशा भोसले ने हिंदी, मराठी के साथ कई भाषाओं में गायन कर भारतीय गीत-संगीत और सिनेमा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित किया। उनका देहावसान भारतीय कला-संगीत जगत के लिए गहरी क्षति है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आशा भोसले के निधन से अत्यंत दुखी हूं। दशकों तक फैले उनके असाधारण संगीतमय सफर ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। उनके साथ बिताए पलों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आशा भोसले ने न सिर्फ अपनी मधुर आवाज और अद्वितीय प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई बल्कि अपने सुरों से भारतीय संगीत को भी और अधिक समृद्ध किया। हर तरह के संगीत में ढल जाने की उनकी अनोखी प्रतिभा हर व्यक्ति का दिल जीत लेती थी। अपनी आवाज से करोड़ों दिलों को छूने वालीं आशा जी ने हिंदी, मराठी, बांग्ला, तमिल, गुजराती सहित अनेक भाषाओं के साथ-साथ लोकगीतों में भी अमिट छाप छोड़ी। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवम राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय संगीत जगत की अजरामर आवाज आशा भोसले जी को भावभीनी श्रद्धांजलि! कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आशा भोसले के निधन से पार्श्व गायन के एक युग का अंत हो गया। बहुमुखी प्रतिभा और गरिमा की प्रतीक, उनकी अनूठी गायन शैली को दुनिया भर में लाखों लोगों ने सराहा। पद्म विभूषण से सम्मानित, वह आज भी सबसे अधिक गाने वाली कलाकारों में से एक हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि आवाज के माध्यम से आशा भोसले की कला सदा हमारे बीच अमर रहेगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ है।

पृष्ठ एक का शेष

वार्ता विफल : अमेरिका का...

सम्मेलन को संबोधित किया। वेंस ने कहा कि हम पिछले 21 घंटों से इस पर काम कर रहे हैं और हमने गंभीर चर्चा की हैं। बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमने यह साफ कर दिया है कि हमारे लक्ष्य क्या हैं। हमने यह भी साफ कर दिया कि ईरान की किन बातों को हम मानने को तैयार हैं। मगर ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हमारी शर्तें मानने से इनकार कर दिया है। वेंस संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ की उन्होंने बेहतरीन मेजबान बताया। उन्होंने यह भी साफ किया कि मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान ने बढ़िया काम किया और सचमुच मदद करने की कोशिश की, ताकि हमारे बीच की खाई पट सके और कोई समझौता हो सके। जब वेंस से पूछा गया कि ईरान ने किन बातों को अस्वीकार किया, तो उन्होंने में कहा कि मैं सभी बातों पर नहीं जाऊंगा, क्योंकि मैं 21 घंटे तक निजी तौर पर बातचीत करने के बाद अब सार्वजनिक रूप से बातचीत नहीं करना चाहता। लेकिन सीधी सी बात यह है कि हमें एक पक्का आश्वासन चाहिए कि वे परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेंगे और न ही वे ऐसे साधन जुटाने की कोशिश करेंगे जिनसे वे तेजी से परमाणु हथियार हासिल कर सकें। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने एक्स पर लिखा कि इस्लामाबाद में प्रतिनिधिमंडल के लिए यह व्यस्त और लंबा दिन रहा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कई संदेशों और दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ। बातचीत में मुख्य विषय होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु मुद्दा, युद्ध हर्जाना, प्रतिबंधों को हटाना और युद्ध की पूर्ण समाप्ति रहा।

वार्ता की विफलता ...

ईरान ने *कई रचनात्मक और भविष्य को ध्यान में रखने वाले प्रस्ताव* रखे थे। लेकिन अमेरिका इन प्रस्तावों के बावजूद ईरान का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबफ ने साफ कहा कि अब समय अमेरिका के लिए है कि वह यह तय करे कि वह ईरान का विश्वास हासिल कर सकता है या नहीं। हालांकि उन्होंने विस्तार से यह नहीं बताया कि बातचीत में किन मुद्दों पर सबसे ज्यादा टकराव हुआ। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, मुख्य विवाद दो बड़े मुद्दों ईरान का परमाणु कार्यक्रम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नियंत्रण और सुरक्षा पर रहा। ये दोनों मुद्दे इतने जटिल हैं कि इन पर सहमति बनाना आसान नहीं है। यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब मिडिल ईस्ट में पहले से ही तनाव बना हुआ है और हाल ही में युद्ध जैसी स्थिति भी देखी गई है। ऐसे माहौल में दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी साफ नजर आई।

नहीं रही सुरों की ...

लंबे करियर में हजारों गीतों को अपनी आवाज दी और भारतीय सिनेमा को अपना अमूल्य योगदान दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्वयं एक प्रतिष्ठित गायक और अभिनेता थे। आशा ने बेहद कम उम्र में संगीत की दुनिया में कदम रखा था और मराठी फिल्म *माझा बाल* से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद हिंदी सिनेमा में *सावन आया* जैसे गीतों से उन्होंने पहचान बनाई और देखते ही देखते वह संगीत की दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में शुमार हो गईं। उनके निधन से भारतीय संगीत जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उधर आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि मेरी माता जी आशा भोसले का आज निधन हो गया है। कल सुबह 11 बजे लोअर परेल के कासा ग्रांडे में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने आ सकते हैं। वहीं, शाम चार बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा। आशा भोसले का जाना संगीत के एक सुनहरे युग का अंत है। सात दशकों के लंबे करियर में उन्होंने हजारों गाने गाए और भारतीय सिनेमा को एक नई पहचान दी। सोशल मीडिया पर फिल्मी सितारों से लेकर आम जनता तक उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

पुलिस ने चुनावी मामले ...

बाहर संवाददाताओं से कहा कि प्राथमिकी में लगाए गए सभी आरोप जमानती हैं, इसलिए उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। वास्तव में, आरोप बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। एक मामला दर्ज किया गया है और इतने कड़े शब्दों में समन केवल परेशान करने के लिए जारी किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि अभी आदर्श आचार संहिता लागू है, और जब मुख्य सचिव सरकार चला रहे हैं, तो मुख्यमंत्री कथित तौर पर यह कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने पुलिस भेजी थी? बोरठाकुर ने कहा कि कुंकी ने चुनाव लड़ा और पूरे राज्य के लिए एक विमर्श तैयार किया, जो भाजपा के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। इसीलिए राजनीति से प्रेरित होकर यह मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने पुलिस से यह भी सवाल किया कि चौधरी द्वारा कथित तौर पर भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा फैलाए गए *डीप फेक* वीडियो के संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत का क्या हुआ। एजेपी से पहली बार चुनाव लड़ रही चौधरी उस समय विवाद में आ गईं, जब मुख्यमंत्री शर्मा ने कथित तौर पर *बीफ* के सेवन को लेकर उनके माता-पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। हालांकि, चौधरी ने इन हमलों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। वह गुवाहाटी सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार गुप्ता के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। नवीनतम घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एजेपी के अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई ने कहा कि चौधरी को तलब करना *चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण* है। उन्होंने कहा कि यह केवल किसी उम्मीदवार पर प्रशासनिक दबाव नहीं है, बल्कि यह असम में भाजपा द्वारा लोकतंत्र के दमन का ज्वलंत उदाहरण है। हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए प्रशासन और पुलिस का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक संकेत है। गोगोई ने आरोप लगाया कि जब सत्तारूढ़ दल को सत्ता खोने का डर होता है, जब उसे यकीन हो जाता है कि जनता का वोट उसके खिलाफ गया है, तो *भाजपा जैसी फासीवादी पार्टियां* सत्ता को अपने कब्जे में रखने के लिए कुटिल रास्तों का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा सवाल यह है कि कुंकी चौधरी द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद डीप-फेक वीडियो प्रसारित करने वाले भाजपा समर्थकों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है? असम पुलिस पक्षपातपूर्ण तरीके से व्यवहार क्यों कर रही है? गोगोई ने आरोप लगाया कि गुवाहाटी सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में एजेपी उम्मीदवार के उभरने और जीत से भयभीत भाजपा ने अब धमकी की राजनीति का सहारा लिया है। उन्होंने कहा कि लेकिन यह भी उतना ही सच है कि धमकियों से सच्चाई हमेशा के लिए नहीं छिप सकती। हम कुंकी चौधरी जैसी साहसी युवतियों को स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि आप अकेली नहीं हैं। असम में हजारों लोकतांत्रिक सोच वाले लोग कुंकी के साथ हैं। ये धमकियां असम जातीय परिषद के संघर्ष को और मजबूत करेंगी।

गोगोई ने ईवीएम...

ने भाजपा की संभावनाओं पर विश्वास जताते हुए कहा कि पार्टी आराम से सत्ता में वापसी करेगी। असम में परिणाम अच्छा होगा। कोई समस्या नहीं है। भाजपा सरकार आसानी से सत्ता में आ जाएगी, सरमा ने 11 अप्रैल को राजस्थान दौरे के दौरान कहा। उन्होंने पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रदर्शन को लेकर भी आशावाद व्यक्त किया और कहा कि भाजपा वहां भी सरकार बनाएगी। इससे पहले, 9 अप्रैल को हुए मतदान के बाद, सरमा ने असम में एनडीए के मजबूत प्रदर्शन का अनुमान लगाया था और भविष्यवाणी की थी कि गठबंधन 126 सदस्यीय विधानसभा में 90 से अधिक सीटें हासिल करेगा। उन्होंने कहा था कि इस बार लोगों ने असाधारण उत्साह के साथ मतदान किया है। सभी समुदायों में मतदान का उत्साहजनक प्रदर्शन रहा है और एनडीए को 90 से अधिक सीटें मिलेंगी। अगर यह 100 सीटों का आंकड़ा भी पार कर लेती है, तो यह आश्चर्यजनक नहीं होगा। उन्होंने विपक्ष के कमजोर प्रदर्शन की भी भविष्यवाणी की, जिससे यह संकेत मिलता है कि एआईयूडीएफ को केवल कुछ ही सीटें मिल सकती हैं, जबकि कांग्रेस के 20 सीटों के आंकड़े से नीचे रहने की संभावना है।

मनगढ़ंत कहानियों से ...

चेतावनी दी कि चीन की ये हरकतें भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाती हैं। प्रवक्ता ने कहा कि चीन की ये कार्रवाइयां संबंधों में नकारात्मकता घोलती हैं और बेहतर समझ विकसित करने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। चीन को ऐसी कार्रवाइयों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता डालें। भारत ने पहले भी चीन की इसी तरह की कई कोशिशों को खारिज किया है। हर बार सरकार ने दोहराया है कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देश सीमा मुद्दों पर बातचीत जारी रखे हुए हैं, लेकिन चीन की ओर से बार-बार उठाए जा रहे ऐसे कदम संबंधों में तनाव बढ़ा सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने जोर दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को ऐसी हरकतों से दूर रहना चाहिए जो द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करें। भारत हमेशा शांतिपूर्ण समाधान और सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने के पक्ष में रहा है।

बिहार राजनीति में शिवराज...

मुख्य जिम्मेदारी विधायक दल की बैठक में अगले नेता (मुख्यमंत्री) के चयन की प्रक्रिया की निगरानी करना है। बिहार सरकार के वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी ने साफ किया है कि इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा की भूमिका निर्णायक होगी। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री पद के लिए नाम का सुझाव भाजपा को देना है। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक में नेता का औपचारिक चुनाव होगा। नीतीश कुमार के 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य बनने के बाद अब जल्द ही नई सरकार के गठन की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू होगी। विजय चौधरी ने संकेत दिए कि एनडीए के सभी घटक दलों के बीच बातचीत जारी है, हालांकि मंत्रिमंडल के विस्तार पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि इस बार बिहार में शक्ति संतुलन बदल सकता है। संभावना जताई जा रही है कि इस बार मुख्यमंत्री भाजपा कोटे का हो सकता है। दावेदारों में सम्राट चौधरी और नित्यानंद राय जैसे नेताओं के नाम चर्चा में हैं। जदयू कोटे से उप-मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। कुछ रिपोर्टों में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के नाम की भी चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार 13 अप्रैल को इस्तीफा दे सकते हैं और 14 अप्रैल को *खरमास* समाप्त होने के बाद 15 अप्रैल के आसपास नई सरकार का शपथ ग्रहण हो सकता है।

बीएसएफ जवान की हत्या...

मालदा स्थित उनके पैतृक घर भेज दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने पहाड़ी जिले उखरुल में लिटान पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सिकिबुंग गांव में 14 बंकर और मोंगकोट चेपु गांव में सात अन्य बंकरों को ध्वस्त कर दिया। इन बंकरों को उग्रवादी संगठनों ने सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हमले करने के लिए अवैध रूप से बनाया था। एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने म्यांमार की सीमा से सटे तेंगनौपाल जिले के माओजांग, लिबुंग, गोमनोम और टी खोनुनजांग के तिराहे वाले इलाकों से हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बरामद की गई चीजों में मैगजीन के साथ दो 9 एमएम पिस्तौल, 13 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), दो कॉम्बैट यूनिफॉर्मऔर एक बैकपैक शामिल थे। सभी 13 आईईडी को सुरक्षा कर्मियों द्वारा मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया। इस बीच, मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिले के वेंगनुआम सिंगंगाट इलाके से दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके कब्जे से *ब्राउन शुगर* से भरे 45 साबुन के केस, एक मारुति जिप्सी, दो मोबाइल फोन और दो बैग बरामद किए। केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य पुलिस की टीमें उग्रवादी गतिविधियों पर लगातार कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। कई जिलों के सीमावर्ती, मिश्रित आबादी वाले और अन्य संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और *एरिया डोमिनेशन* (इलाके पर नियंत्रण) के अभ्यास जारी हैं। निगरानी को मजबूत करने और गैर-कानूनी तत्वों की आवाजाही को रोकने के लिए राज्य के घाटी और पहाड़ी जिलों में कुल 109 नाके (चेकपॉइंट) लगाए गए हैं। सुरक्षा बल इम्फाल-जिरीबाम नेशनल हाईवे (एनएच-37) पर जरूरी सामान ले जाने वाले ट्रकों समेत अन्य वाहनों को भी एस्कॉर्ट कर रहे हैं। यातायात की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और काफिलों की सुरक्षा के इंतजाम जारी हैं। मणिपुर पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर यकीन न करें और सोशल मीडिया पर चल रहे फर्जी वीडियो से सावधान रहें। पुलिस के बयान में चेतावनी दी गई है, किसी भी वायरल वीडियो या ऑडियो क्लिप की सच्चाई की पुष्टि सेंट्रल कंट्रोल रूम से की जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि वाला या गुमराह करने वाला कंटेंट अपलोड करने या शेयर करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला आरक्षण पर चर्चा ...

और आगे की प्रक्रिया को तेज करना है। भाजपा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि गुरुवार से शनिवार, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक, लोकसभा और राज्यसभा के सभी भाजपा सदस्यों के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया जा रहा है। सभी केंद्रीय मंत्रियों और सदस्यों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त सभी तीन दिनों के दौरान सदन में उपस्थित रहें। सदन में उपस्थिति अनिवार्य है। कोई छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का कड़ाई से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति सुनिश्चित करें। आपके सहयोग की अत्यधिक सराहना की जाती है। वहीं, इस विशेष सत्र को लेकर राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है। विपक्षी दलों ने सरकार से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने और परिसीमन जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर संसद का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है। डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि संसद को गंभीरता से लेने के बजाय राजनीतिक नाटक किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले इस तरह की गतिविधियां लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन के मुद्दे से जुड़े प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष संसदीय सत्र विपक्ष को विश्वास में लिए बिना बुलाया गया है, और चेतावनी दी कि सार्थक चर्चा के लिए महत्वपूर्ण विवरण अभी भी स्पष्ट नहीं हैं।

बेमौसम बारिश और चुनाव...

घर-घर जाकर प्रचार करने और अंतिम समय में मतदाताओं को जुटाने के प्रयासों ने बिहू की तैयारियों पर भारी असर डाला। आम तौर पर इस समय तक बाजार में गमोसा, मेखेला चादर और परिवार के लिए नए कपड़े खरीदने वालों की भीड़ लगी रहती थी। लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल अलग है। चुनाव ने हमारा सब कुछ छीन लिया – हमारा समय, हमारी ऊर्जा, हमारा ध्यान। अब बिहू आने में सिर्फ तीन दिन बचे हैं और अभी भी बिहू जैसा महसूस नहीं हो रहा है। पिछले साल की तुलना में बिक्री में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है। लोग चुनाव की थकान से उबर रहे हैं, डिब्रूगढ़ के पक्के बाजार में कपड़ा व्यापारी भागीरथ बरुआ ने कहा। दुकानदारों के लिए, त्योहारों की भीड़ में देरी आर्थिक चिंता का कारण है। रोंगाली बिहू से पहले के दिन पूरे असम में साल के सबसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक दिनों में गिने जाते हैं, जिनमें पारंपरिक परिधान, आभूषण, मिठाइयों और उपहारों की बिक्री आमतौर पर अपने वार्षिक चरम पर पहुंच जाती है। इस साल, कई दुकानदार बचे हुए दिनों में अंतिम समय में बिक्री में उछाल की उम्मीद कर रहे हैं। हमें अब भी उम्मीद है। लोग आएंगे। असम के लोग बिहू को इतना पसंद करते हैं कि इसे यूं ही बीतने नहीं देंगे। शायद आखिरी दो दिनों में सब कुछ हो जाए, एक अन्य दुकानदार ने कहा। असम के ऊपरी इलाकों में पिछले लगभग एक महीने से जारी बेमौसम बारिश ने माहौल को और भी उदास बना दिया है। इस बारिश ने न केवल बिहू नृत्य कार्यक्रमों की बाहरी तैयारियों और पूर्वाभ्यासों को बाधित किया है, बल्कि खरीदारों को घरों के अंदर ही रहने पर मजबूर कर दिया है और खुले में होने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाने वाले सामुदायिक आयोजकों के उत्साह को भी कम कर दिया है। लगातार हो रही बूंदाबांदी ने हमारे खेतों और मनोबल दोनों को भिगो दिया है। हम हुसोरी अभ्यास भी ठीक से शुरू नहीं कर पाए। लोककथाओं में बिहू के दौरान बारिश को शुभ माना जाता है, लेकिन यह अभूतपूर्व है। हमारे पारंपरिक नृत्यों के लिए खुले आंगन चाहिए, न कि पानी से भरे गड्ढे, डिब्रूगढ़ के जाने-माने बिहू कलाकार जितेन दास ने कहा। हम अपने बिहू नृत्य समूह के लिए रिहर्सल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बारिश ने इसे बहुत मुश्किल बना दिया है। मैदान में पानी भरा हुआ है, और जब मौसम साथ नहीं देता तो उत्साह बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। हमें उम्मीद है कि 15 तारीख से पहले मौसम साफ हो जाएगा, डिब्रूगढ़ की एक युवा बिहू नर्तकी ने कहा। देरी से शुरू होने के बावजूद, स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि शेष दिनों में उत्सव का माहौल फिर से जीवंत हो जाएगा।

तृणमूल का जाना तय...

को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का शासन अब समाप्त होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में राज्य ने केवल भ्रष्टाचार और ठहराव देखा है। खासकर युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब राज्य का भविष्य उनके हाथ में है और उन्हें बदलाव के लिए आगे आना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल ने विकास के बजाय *सिंडिकेट और कटमनी संस्कृति* को बढ़ावा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार गहराई तक फैला हुआ है और आम जनता इससे परेशान है। प्रधानमंत्री ने उत्तर बंगाल को भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ बताते हुए क्षेत्र के विकास और रोजगार के लिए कई वादे किए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर यहां की सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

असम में सुबह...

फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सुबह 09 बजकर 21 मिनट 58 सेकंड पर आया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई है, जिसे हल्के से मध्यम श्रेणी का भूकंप माना जाता है। भूकंप का केंद्र असम के कछार जिले में था और इसकी गहराई जमीन के नीचे लगभग 5 किलोमीटर दर्ज की गई है। भूकंप का केंद्र कछार जिले में 24.659 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 92.763 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। कम गहराई पर आने की वजह से झटके आसपास के इलाकों में भी महसूस किए गए। हालांकि अब तक किसी इमारत के गिरने या बड़े नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। लोगों से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की अपील की गई है।

तिनसुकिया में अल्फा-आई ...

सप्ताह लंबे अभियान के बाद लेखापानी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से गिरफ्तारियां की गईं। इस समन्वित अभियान में उन व्यक्तियों को निशाना बनाया गया जिन पर असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पार प्रतिबंधित संगठन के लिए बिचौलिए के रूप में काम करने का संदेह था। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान बोर्डुम्सा के बर्लिन नियोग, पेंगेरी के मिठू गोहाईं और लीलांबर मोरान, काकोपाथर के विकास डेका, अरुणाचल प्रदेश के मियाओ के शिवा डे और परितोष देब और माकुम के मनाब देब के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए कुछ लोगों पर तिनसुकिया के जगुन में असम पुलिस बटालियन शिविर पर हुए हालिया ग्रेनेड हमले में भूमिका निभाने का संदेह है, जिसमें चार कमांडो घायल हो गए थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि संदिग्धों ने हमले से पहले अल्फा-आई के सदस्यों को महत्वपूर्ण जानकारी दी होगी। हालांकि, इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गिरफ्तारी के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जांच के तहत फिलहाल सभी सातों से लेखापानी पुलिस स्टेशन में पूछताछ की जा रही है। सभी सात आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ जारी है। यह अभियान ऊपरी असम में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है, एक पुलिस अधिकारी ने बताया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपियों का विद्रोही समूह के साथ लगातार संपर्क बना हुआ था और वे उसकी गतिविधियों के लिए संचार और समन्वय को सुविधाजनक बनाने में शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि ये व्यक्ति विद्रोही संगठन को रसद संबंधी सहायता प्रदान करने और संचार को सुगम बनाने में शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि आरोपी कुछ समय से सक्रिय था और एक स्थानीय सहायता नेटवर्क का हिस्सा था।

ईरान में सब खत्म...

जहाजों पर नजर रखेगी और नाकेबंदी की प्रक्रिया शुरू करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जो जहाज ईरान को कोई अवैध शुल्क देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा। साथ ही अमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि वह समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने की कार्रवाई करेगा। ट्रंप ने कहा कि बातचीत में कई मुद्दों पर प्रगति हुई, लेकिन परमाणु कार्यक्रम सबसे अहम मुद्दा था और इस पर कोई समझौता नहीं हो सका। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने यह भी बताया कि बातचीत के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों और ईरानी नेताओं मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, अब्बास अराघची और अली बघेरी के बीच अच्छे संबंध बने, लेकिन इससे अंतिम नतीजे पर कोई फर्क नहीं पड़ा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका जल्द ही होर्मुज में नाकेबंदी शुरू करेगा और जरूरत पड़ने पर अन्य देशों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने इसे *वैश्विक दबाव बनाने* का कदम बताया।

त्रिपुरा जनजातीय परिषद चुनाव में 83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया

एक मतदान केंद्र पर पुनः मतदान निर्धारित किया गया

अगरतला। अधिकारियों ने बताया कि त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के चुनावों के लिए मतदान रविवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया, जिसमें लगभग 83 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के सचिव अनुराग सेन ने बताया कि मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और राज्य भर में काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा, अधिकांश मतदान केंद्र निर्धारित समय पर बंद हो गए। हालांकि आधिकारिक तौर पर हिंसा की कोई बड़ी घटना दर्ज नहीं की गई, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों से कुछ छोटी-मोटी गड़बड़ियां और शिकायतें दर्ज की गईं। अनुराग सेन ने कहा कि अधिकांश मतदान केंद्रों पर निर्धारित समय तक मतदान पूरा हो चुका था, और पूर्ण डेटा संकलन के बाद अंतिम मतदान के आंकड़े थोड़े बढ़ सकते हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मतदान के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में किसी प्रकार की खराबी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। हालांकि, सुबह के मॉक ड्रिल के दौरान पाई गई कुछ छोटी-मोटी समस्याओं को मशीनों को बदलकर तुरंत ठीक कर दिया गया। मतदान इकाई में छेड़छाड़ के आरोपों के बाद, एसईसी ने सेपाहिजाला जिले के पेकुरजाला-जनमेजयनगर निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र 17/39 पर पुनर्मतदान की घोषणा की है। पुनर्मतदान 16 अप्रैल को होगा। इस बीच, आज सुबह मतदान प्रक्रिया के दौरान कई लोगों के घायल होने की खबरें आईं, क्योंकि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के सदस्य अलग-अलग स्थानों पर आपस में भिड़ गए, बम फेंके और वाहनों पर हमला किया। खबरों के मुताबिक, सेपाहिजाला जिले के बोक्सानगर के वेलुआचर इलाके में एक मतदान केंद्र के पास उपद्रवियों ने कथित तौर पर देसी बम फेंके। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। दूसरी ओर, बोधजंगनगर-वाकीनगर, तकरजाला-जम्पुइजाला, रामचंद्रघाट और शिलाचारी-मनु-बांकुल निर्वाचन क्षेत्रों के कई मतदान केंद्रों में ईवीएम में खराबी के कारण मतदान अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

एमडीओएनईआर सचिव ने मेघालय की परियोजनाओं की समीक्षा की और तीव्र विकास की सराहना की

शिलांग। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) के सचिव संजय जाजू ने शनिवार को मेघालय में प्रमुख पर्यटन और पर्यटन मंत्रालय की समीक्षा की और राज्य में विकास की गति पर संतोष व्यक्त किया। अपनी दो यात्राओं के दौरान, जाजू ने सचिवालय में मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रही पहलों की समीक्षा की और केंद्र-राज्य सहयोग को बढ़ाने के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। अधिकारियों ने समीक्षा में बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2025-26 के बीच 16 कलाकार शामिल हुए, कुल मिलाकर 1,411.58 करोड़ रुपए थे-जो राज्य का मानक 1,262 करोड़ रुपए से अधिक है। उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), जो इस क्षेत्र के विकास के लिए एजेंसी है, ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि इन काउंसिल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा-डेवी इयानई योजना के अंतर्गत आता है। इस योजना के तहत प्रमुख सात कंपनियों पर 773.92 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। प्रमुख अवसंरचना कार्यकलापों में न्यू शिलांग टाउनशिप में 146.79 करोड़ रुपए की लागत से चार लेन की सड़क और तुरा में 126.94 करोड़ रुपए प्रति व्यक्ति के साथ एक आईटी पार्क शामिल है। पर्यटन में, शिलांग पीक पर एक यात्री रोपवे (70.11 करोड़ रुपए) और मावकडोक में एक स्काईवॉक-सह-पर-केंद्र (50.90 करोड़ रुपए) जैसे अवशेष विकसित किए जा रहे हैं। प्रमुख विश्लेषण में, सोहरा टूरिज्म सर्किट 233.75 करोड़ रुपए की लागत के साथ सबसे अलग दिखता है। इस परियोजना में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से नौ घटक शामिल हैं। प्रमुख कार्यों में सैत्सोपेन में मस्जिद हेरिटेज एक्सपीरियनियल सेंटर (114.94 करोड़ रुपए), नोहलिकाई फोल्स कॉम्प्लेक्स का विकास (38.98 करोड़ रुपए) और मावसमाई इको पार्क (28.75 करोड़ रुपए) शामिल हैं। शेला रिवर साइड, नोहसंगिथियांग फॉल्स, मावसमाई गुफा, कैरिलियार कैन्यन, अरवाह गुफा और वाह काबा फ़ॉल जैसे स्थानों पर अतिरिक्त आकर्षक कार्य चल रहा है।

बेंगलुरू व्यापार सम्मेलन में त्रिपुरा को 2,000 करोड़ रुपए के निवेश की पेशकश की गई

अगरतला। अधिकारियों ने बताया कि त्रिपुरा पूर्वोत्तर की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और बेंगलुरू में आयोजित एक व्यापार सम्मेलन में निवेशकों की ओर से काफी रुचि दिखाई दी, जहां 2,000 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए उद्योग और वाणिज्य विभाग की सचिव किरण गिट्टे ने कहा कि निरंतर सार्वजनिक निवेश, बेहतर शासन व्यवस्था और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी राज्य की आर्थिक क्षमता के बारे में धारणाओं को नया आकार देने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार नीतिगत सुधारों, सरलीकृत प्रक्रियाओं और समयबद्ध मंजूरी के माध्यम से व्यापार करने में आसानी के ढांचे को सक्रिय रूप से मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में उभरते और पारंपरिक दोनों क्षेत्रों में काफी अप्रयुक्त क्षमता मौजूद है, और निवेशकों को राज्य के साथ दीर्घकालिक साझेदारी तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। दक्षिण भारत के निवेशकों, स्टार्टअप्स और संस्थागत हितधारकों को शामिल करने के उद्देश्य से आयोजित बेंगलुरू रोडशो और व्यापार सम्मेलन के परिणामस्वरूप 44 आशय पत्र (एलओआई) और समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित निवेश कई क्षेत्रों में फैले हुए हैं और त्रिपुरा के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं, जो बेहतर कनेक्टिविटी, कुशल कार्यबल और उत्तरदायी शासन द्वारा समर्थित है। राज्य की रणनीतिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, गिट्टे ने कहा कि बांग्लादेश के साथ त्रिपुरा के बढ़ते व्यापारिक संबंध रसद, विनिर्माण, सेवाओं और सीमा पार व्यापार में नए रास्ते खोल रहे हैं। क्षेत्रवार अवलोकन प्रदान करते हुए, उद्योग और वाणिज्य निदेशक दीपक कुमार ने आईटी और डिजिटल सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, बांस और रबर उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा और शहरी अवसंरचना में अवसरों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि राज्य निवेशकों के अनुकूल प्रोत्साहन, औद्योगिक भूमि की उपलब्धता और परियोजना नियोजन से लेकर क्रियान्वयन तक संपूर्ण सुविधा प्रदान करता है, जिससे त्वरित अनुमोदन और निरंतर समर्थन सुनिश्चित होता है। कौशल विकास निदेशक प्रदीप कृष्णराज ने उभरती कार्यबल मांगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए राज्य के उद्योग-संबद्ध कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला। शहरी विकास निदेशक मेघा जैन ने कहा कि एकीकृत टाउनशिप और पुनर्विकास परियोजनाओं सहित नियोजित पहलों का उद्देश्य पीपीपी मॉडल के माध्यम से सतत शहरी विकास और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

जागीरोड में ट्रक ने ट्रेवेलर को मारी टक्कर, 24 यात्री घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरगांव जिलांतर्गत जागीरोड के सेमीकंडक्टर परियोजना के पास रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने एक ट्रेवेलर को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ट्रेवेलर सवार 24 यात्री घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार राजधानी गुवाहाटी से तेजपुर की ओर जा रहे ट्रेवेलर में लगभग 24 यात्री सवार थे। सेमीकंडक्टर परियोजना के पास एक ट्रक नेट्रेवेलर को टक्कर मार दी। इससे ट्रेवेलर सवार सभी 24 यात्री घायल हो गये। दुर्घटना के बाद यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को डॉक्टरों ने तुरंत गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) के लिए रेफर कर दिया। सामान्य रूप से घायलों का इलाज जागीरोड स्थित अस्पताल में किया गया। इस बीच दुर्घटना को अंजाम देने वाला ट्रक घटनास्थल से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर जागीरोड पुलिस पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रेवेलर को सड़क से क्रेन की मदद से हटाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राज्य के कछार में तूफान से भारी तबाही मची बिजली आपूर्ति और परिवहन हुआ प्रभावित

सिलचर। रविवार को असम के कछार जिले के सिलचर और आसपास के क्षेत्र में भीषण तूफान आया, जिससे चक्रवाती तूफान ने बड़े पैमाने पर उत्पात मचाया, जिससे चक्रवाती तूफान चला गया, ज्वालामुखी को नुकसान पहुंचा और कई पूर्वी इलाकों में बिजली गुल हो गई। मौसम में अचानक आए इस चरम बदलाव का कारण सुबह करीब 9-21 बजे तूफान आया 4.3 भूकंप के झटके कुछ ही समय बाद सामने आए, जिसमें रेजिडेंट्स अपने घर से बाहर निकले। हालांकि भूकंप से किसी बड़े पैमाने पर नुकसान की खबर नहीं मिली, लेकिन सबसे पहले अस्थिर मौसम की स्थिति से लोगों के बीच चिंता बढ़ गई। कुछ ही घंटों में, सिलचर में समुद्री तूफान आया, जिससे तेज हवाएं चलीं और कई पेड़ों के डिब्बे टूट गए और बिजली की तारें टूट गईं। बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने के कारण कई देशों में अँधेरा छा गया। तूफान के कारण कोर्ट परिसर में मलबा पर कई महत्वपूर्ण स्थान टूट गए, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गईं और विला की इमारतें नष्ट हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार, बरेंगा, अरकातिपुर, काशीपुर, बांसकांदी, सोनाई, कटिगोराह, दयापुर, ढोलाई और बरखोला जैसे इलाकों में व्यापक क्षति का आकलन किया गया है। तूफान के बाद कछार जिला प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में जनजीवन को सामान्य स्थिति में लाने के लिए नतीजे और अमले पर तेजी से कार्रवाई की. स्थिति पर नजर रखने के लिए और चल रहे पुनर्निर्माण कार्य देखने के लिए कई स्टेक पर जांच दल के अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीएसएफ) और कछार प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया दल (सीक्यू आरटी) की अंकित सड़क संपर्क बहाल करने के लिए टूटे हुए पेड़ और दीवार को हटाने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। इसी बीच, असम विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) के स्टाफ सामानों की वसूली और प्रभावित क्षेत्र में बिजली बहाली के लिए काम कर रहे हैं। इलाके से शांत रहने और बहाली कार्य जारी रहने के दौरान पूर्ण सहयोग देने का आग्रह किया गया है।

अपहृत दो किशोरियां बरामद, दो महिला समेत तीन अपहरणकर्ता गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत परवतझोरा इलाके से अपहृत दो किशोरियों को पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस अपहरण के मामले में शामिल दो महिलाओं समेत तीन लोगों को बोगरीबाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। परवतझोरा पुलिस ने रविवार को बताया है कि गौरीपुर के तेलीपारा से अपहृत किशोरियों को पुलिस ने परिवार के सहयोग से बरामद कर लिया है। दोनों किशोरियों के अपहरण के आरोप में ममता बेगम, जेलेका खातून और नूर अमीन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह लोग अपहृत किशोरियों को अन्य राज्य में बेचने की योजना बना रहे थे। बोगरीबारी पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

गोरश्वर के रौमारी गांव में साधुओं पर हमले के बाद तनाव

गोरश्वर (हिंस)। गोरश्वर थाना अंतर्गत नंबर 2 रौमारी गांव में चरक पूजा के लिए चंदा एकत्र करने गए सात साधुओं पर कथित हमले के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस हमले का आरोप चान महमूद अली और उनके पुत्र आजिम अली पर लगाया गया है। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों के एक समूह ने आरोपियों के घरों में आग लगा दी। आगजनी की इस घटना में दो घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, वहीं एक दोपहिया वाहन भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तामुलपुर और गोरश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असम भाजपा ने पार्श्वगायिका आशा भोसले के निधन पर जताया शोक

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महान पार्श्वगायिका व प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में असम प्रदेश भाजपा ने कहा कि भारतीय सिनेमा और संगीत में आशा का अद्वितीय योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमिट विरासत बना रहेगा। कई दशकों के अपने शानदार करियर में उन्होंने 20 से अधिक भारतीय भाषाओं- जिनमें हिंदी, बंगाली और मराठी शामिल हैं के साथ-साथ कई विदेशी भाषाओं में भी हजारों गीतों को अपनी आवाज दी। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो एक दुर्लभ और अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्थापित है। पार्टी ने कहा कि विश्व संगीत के इतिहास में सबसे अधिक रिकॉर्डिंग करने वाली कलाकारों में से एक मानी जाने वाली आशा भोसले का निधन भारतीय फिल्म उद्योग और वैश्विक संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रदेश भाजपा ने दिवंगत आत्मा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, उनकी आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की और इस असीम दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उल्लेखनीय है कि आशा भोसले का रविवार को मुंबई के एक अस्पताल में हृदय संबंधी बीमारी का इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से पूरे देश में शोक की गहरी लहर दौड़ गई है। प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित और भारत की सबसे प्रसिद्ध संगीत हस्तियों में से एक, आशा भोसले का निधन भारतीय संगीत के एक असाधारण युग के अंत का प्रतीक है।

प्रचार के दौरान बच्चों के किया वादा भाजपा विधायक मृणाल सैकिया ने किया पूरा, 13 बच्चों को बांटी साइकिलें

गोलाघाट (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव का मतदान होने के बाद खुमताई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक मृणाल सैकिया ने प्रचार के दौरान कुछ बच्चों से किया अपना वादा पूरा कर दिया है। भाजपा उम्मीदवार मृणाल सैकिया ने शनिवार शाम को 13 बच्चों को साइकिलें वितरित कर दीं। साइकिल मिलने पर बच्चों के चेहरे खिल उठे। चुनाव प्रचार की व्यस्तता के बीच एक नेता बच्चों के दिल कैसे जीत सकता है, इसका एक उदाहरण खुमटाई के भाजपा उम्मीदवार मृणाल सैकिया ने प्रस्तुत किया। दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान ढलापार जाते समय कुछ बच्चों ने मृणाल सैकिया का हाथ पकड़ लिया। किसी ने फोटो खींचा, तो किसी ने एक छोटे तोहफे की मांग की। उस दौरान बच्चों ने उनसे साइकिल की मांग की। मृणाल सैकिया ने बच्चों की मांग नजरअंदाज नहीं कर सके और उनसे जल्द ही साइकिल दिलाने का किया। मतदान संपन्न होने के बाद सैकिया ने प्रचार के दौरान बच्चों से किए गए अपने वादे को पूरा करने के लिए ढलापार गांव में अपनी टीम को भेजा। टीम ने बच्चों से बात की, तो उस समय कुल 8 साइकिलों की बात सामने आई। बाद में यह संख्या 13 हो गयी। इसके बाद विधायक ने शनिवार की शाम को उन बच्चों को साइकिल वितरित कीं। नई साइकिल पाकर ढलापार के बच्चे खुशी से झूम उठे। साइकिल मिलने पर बच्चों ने हाथ जोड़कर सैकिया का आभार जताते हुए उन्हें बिहू के अवसर पर अपने घर आमंत्रित भी किया। चुनाव प्रचार के दौरान बच्चों से किए वादा का विधायक का पूरा करना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

आगमोनी प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सेन का निधन

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिले के अंतर्गत आगमोनी प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सेन उर्फ (टैक्सी) उम्र 49 के अचानक निधन की खबर ने पूरे जिले के संवाददाताओं को झकझोर दिया है। इस शौक के क्षण में धुबड़ी जिला जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रणवाशिष राय के अलावा अनेको संवाददाताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनकी आत्मा की शांति की कामना भी की। हमारे धुबड़ी संवाददाता राजू दास के अनुसार मृत्यु हार्टअटैक से हुई है। उन्होंने अपने धर्मपत्नी के अलावा दो बेटियों को पीछे छोड़ गए हैं।

एसीए ने तीन आईपीएल मैचों के लिए ग्राउंड स्टाफ को 25 लाख नकद इनाम की घोषणा की

गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के तीन मैचों के सफल आयोजन ने असम क्रिकेट संघ के ग्राउंड स्टाफ की मूक लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया है। इसे देखते हुए संगम ने आज संबंधित को 25 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में काम करते हुए, क्यूरेटर और मैदानकर्मियों ने सुनिश्चित किया कि पिचें तैयार की जाएं और उन्हें उच्चतम मानकों के अनुसार बनाए रखा जाए। उनके प्रयास मैचों के सुचारू समापन के रास्ते में केंद्र बिंदु में से एक थे और राष्ट्रीय मंच पर स्थल की बढ़ती प्रतिष्ठा को बनाए रखने में मदद की। उनके योगदान के सम्मान में, संगम ने क्यूरेटर और ग्राउंडमैन के लिए 25 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष तरंग गोगोई और सचिव सनातन दास ने पूरी टीम की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता की सराहना की और मैचों के सुचारू संचालन में उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ग्राउंड स्टाफ के काम पर कभी-कभी कई लोगों का ध्यान नहीं जाता है, लेकिन उनकी भूमिका रीढ़ की हड्डी की तरह होती है।

तांबरम-न्यू तिनसुकिया और एसएमवीटी बेंगलुरू बालुरघाट मार्गों पर चलेंगी विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने दो विशेष एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। यह जानकारी पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 06015/06016 (ताम्बरम-न्यू तिनसुकिया-ताम्बरम) और 06561/06562 (एसएमवीटी बेंगलुरू-बालुरघाट-बेंगलुरू छावनी) स्पेशल एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में तीन-तीन फेरों के लिए चलाई जाएंगी। इन ट्रेनों से यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलने के साथ ही यात्रा अधिक सुविधाजनक और आरामदायक होगी। सीपीआरओ के अनुसार, ट्रेन संख्या 06015 (ताम्बरम-न्यू तिनसुकिया) स्पेशल 13 अप्रैल से 27 अप्रैल तक प्रत्येक सोमवार को ताम्बरम से सुबह 10-15 बजे रवाना होगी और गुरुवार को सुबह 04-30 बजे न्यू तिनसुकिया पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 06016 (न्यू तिनसुकिया-ताम्बरम) 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रत्येक गुरुवार को रात 20-00 बजे प्रस्थान कर रविवार को शाम 16-00 बजे ताम्बरम पहुंचेगी। इस ट्रेन में 22 कोच होंगे, जिनमें स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास शामिल हैं। यह ट्रेन चेन्नई एग्मोर, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, खड़गपुर, मालदा टाउन, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, न्यू बंगाईगांव, गुवाहाटी, लामडिंग, फरकाटिंग और मरियानी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिससे दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा। ट्रेन संख्या 06561 (एसएमवीटी बेंगलुरू-बालुरघाट) 12 अप्रैल को सुबह 08-50 बजे रवाना हो चुकी है और मंगलवार को सुबह 06-00 बजे बालुरघाट पहुंचेगी। इसके अन्य फेरे 19 और 26 अप्रैल को चलेंगे। वापसी में, ट्रेन संख्या 06562 (बालुरघाट-बेंगलुरू छावनी) 15, 22 और 29 अप्रैल को सुबह 05-15 बजे बालुरघाट से रवाना होकर शुक्रवार को सुबह 03-00 बजे बेंगलुरू छावनी पहुंचेगी। इस ट्रेन में 22 कोच होंगे, जिनमें एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास शामिल हैं। यह ट्रेन काटपाडी, विजयवाड़ा, राजमुंद्री, सिम्हाचलम, विजयनगरम, ब्रह्मपुर, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, खड़गपुर, बर्द्धमान, मालदा टाउन और बुनियादपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। सीपीआरओ ने बताया कि रेलवे के इस निर्णय से देश के विभिन्न हिस्सों के बीच यात्रा और भी सुगम होगी तथा यात्रियों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

मोरेह में असम राइफल्स ने 104 साल के युद्ध में वयोवृद्ध को निकोलस की उपाधि दी

मणिपुर। खबरों के अनुसार, असम राइफल्स ने मोरेह के तेंगनुपाल जिले में अपने आवास पर अपने सबसे बुजुर्ग जीवित पूर्व सैनिकों में से एक, 104 राइफलमैन शास्त्री धन थापा (सेवानिवृत्त) को नियुक्त किया। आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया है कि 4 असम राइफल्स के वरिष्ठ अधिकारियों ने, जहां थापा ने विशिष्ट सेवा दी थी, पूर्व सैनिकों से उनकी सेवा को सम्मानित किया गया और उनके कुशल मंगल के बारे में पूछताछ की गई। द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी सैनिकों थापा को अपने वर्षों के दौरान राष्ट्र की ओर से उनके सम्मान और योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। इस यात्रा के दौरान, वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्र की सेवा में अपने अमूल्य योगदान और बलिदान के लिए असम राइफल्स के ओर से गहरे शहीद पद की शपथ ली। अधिकारियों ने अपनी उल्लेखनीय सेवा को प्रतिष्ठित किया, उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली के अपने पूर्व सैनिकों के साथ रिलेशनल बल संबंधों की पुष्टि की। यह यात्रा सम्मान और गौरव की भावना से ओतप्रोत था, जो बल और उसके पूर्व उपदेशों के बीच अखंड बंधन को सम्मिलित करता है। इस बातचीत के दौरान अधिकारियों ने पूर्व सैनिकों से मित्रता और समर्थन के प्रतीक के तौर पर जरूरी दोस्ती भी की। असम राइफल्स ने कहा कि थापा जैसे पूर्व सैनिकों की सेवा के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं, जो आदेश देते हैं और वीरता के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अधिकृत करते हैं। अपने पूर्व सैनिक के प्रति अपनी रिक्रूटमेंट की पुष्टि करते हुए, बल ने कहा कि वह अपने दिग्गजों का सम्मान करने और उनके समर्थन करने के लिए समर्पित है, और उन्हें अपना इतिहास और पहचान का एक अंग मानदंड बताता है।

अनमोल वचन

खुशी तब होती है जब आप जो सोचते है जो कहते है और जो करते है, सब में संतुलन होता है।
विलियम शेक्सपियर

हम जितना अध्ययन करते है, उतना ही हमे अपने अज्ञान का आभास होता जाता है।
स्वामी विवेकानंद

सम्पादकीय

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वतः समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्यवाही की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफे के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है। यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैं। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

‘युद्ध विराम’ प्रश्नों पर ‘विराम’ नहीं? ‘अंतिम विराम’ कब?

राजीव खंडेलवाल। (लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास

युद्ध में शामिल हुए बिना पाकिस्तान विजयी! भारत हारा?

विश्व पटल की राजनीति की यह एक नई स्थिति है, जहां युद्ध करने वाले, शुरू करवाने वाले, उत्प्रेरित करने वाले एवं युद्ध को भड़काने के लिए सैन्य सहायता देने वाला देश तथा आतंकी गतिविधियों को उत्जनित करने वाला देश और उनके राष्ट्राध्यक्ष शांति के नोबेल पुरस्कार के संभावित स्वाभाविक दावेदार हो रहे हैं? युद्ध नहीं, बुध व गांधी की शांति व अहिंसा की बात करने वाला भारत नोबेल पुरस्कार के मैदान में प्रवेश करने के मौके की परिस्थितियों बनाने में असमर्थ रहा।

अमेरिका द्वारा कई बार बढ़ाई जाने के बाद खींची गई समय सीमा खत्म होने के मात्र 2 घंटे पूर्व ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच 14 दिनों के लिए युद्ध विराम होने पर अंततः विश्व ने राहत महसूस की। युद्ध में 'कौन जीता कौन हारा'? पर स्तंभकार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विशेषज्ञ, राष्ट्राध्यक्ष आकलन कर रहे हैं। लेकिन भारत की दृष्टि से एक भारतीय होने के नाते विश्व युद्ध (जिसकी आशंका व्यक्त की जा रही थी) न होने के बावजूद विश्व को प्रभावित करने वाले इस युद्ध में हम कहां खड़े रहे? हमारे पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान की क्या भूमिका रही? इस पर हर किसी भारतीय को गहनता से विचार करने की आवश्यकता है, ताकि हम अपने प्रधानमंत्री को यह संदेश व फीडबैक दे सके, हमारी विदेश नीति कितनी सफल/असफल रही?

नोबेल पुरस्कार की दौड़ में शामिल! पाकिस्तान: इसमें कोई शक नहीं कि 40 दिनों तक चल रहे युद्ध में अंतरराष्ट्रीय संस्था FATF द्वारा अक्टूबर 2022 तक 'आतंकवादी वित्तपोषण' के करण 'ग्रे लिस्ट' में रखा गया पाकिस्तान विश्व पटल पर अप्रत्याशित एक 'शांति दूत' के रूप में उभरा। लगातार नोबेल पुरस्कार का दावा करने वाले प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शरीफ भी बिगर 'दावे' के दौड़ में शामिल हो गए हैं। विश्व पटल की राजनीति की यह एक नई स्थिति है, जहां युद्ध करने वाले, शुरू करवाने वाले, उत्प्रेरित करने वाले एवं युद्ध को भड़काने के लिए सैन्य सहायता देने वाला देश तथा आतंकी गतिविधियों को उत्जनित करने वाला देश और उनके राष्ट्राध्यक्ष शांति के नोबेल पुरस्कार के संभावित स्वाभाविक दावेदार हो रहे हैं? युद्ध नहीं, बुध व गांधी की शांति व अहिंसा की बात करने वाला भारत नोबेल पुरस्कार के मैदान में प्रवेश करने के मौके की परिस्थितियों बनाने में असमर्थ रहा।

भारत की अक्रमण्य भूमिका: इसमें कोई शक नहीं, पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व का लगातार दौरे कर के मेहनत से अपनी एक 'विश्व गुरु' की स्थिति बनाई है। लेकिन वर्ष 2025 में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पिछले 14 महीनों में प्रधानमंत्री की उक्त छवि पर गहरा आघात पहुंचा है। 'ऑपरेशन गंगा' के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने रूस-यूक्रेन के बीच कुछ घंटों के लिए युद्ध रुकवाया। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस युद्ध विराम में ही नहीं बल्कि 40 दिन चले अमेरिका- इजरायल- ईरान के बीच युद्ध में वे कभी भी मध्यस्थता का प्रस्ताव नहीं दे पाए। वे खड़े कहां हैं? इस पर उन्हें गहन आत्मलोचन करना चाहिए। जिओ पॉलिटिक्स में अग्रणी भारत पाकिस्तान से हर मामलों में कई गुना बेहतर होने के बावजूद वह रोल अदा नहीं कर सका जो पाकिस्तान ने किया। इससे यह सिद्ध होता है एक कंगाल भूखहाल अनेकोनेक समस्याओं से ग्रस्त राष्ट्र भी संपन्न देशों के बीच अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। याद कीजिए, प्रेसिडेंट ट्रंप ने कई बार भारत पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभाने की बात कही, बावजूद इस स्थिति के कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान के मामले में किसी भी 'तीसरे' देश की मध्यस्थता से हमेशा स्पष्ट इनकार किया है। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकन प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बहुत ही व्यक्तिगत प्रगाढ़ संबंध है। ईरान से भी युद्ध आरंभ होने के पूर्व तक अच्छे ऐतिहासिक संबंधों की गाथा कही जाती रही, जहां महात्मा गांधी के नाम से सड़के, स्टेडियम, अस्पताल आदि है। 9 करोड़ जनसंख्या वाला ईरान अपनी सार्वभौमिकता को लेकर अमेरिका के सामने 56 इंच का सीना तानकर खड़ा हो सकता है, तब 140 करोड वाला भारत अपने स्वाभिमान व संप्रभुता को लेकर चुप क्यों?

'बैक-चैनल और शटल डिप्लोमेसी से 'बदनाम' शहबाज 'शरीफ' हो गए।': ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजाय शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर को समझौता वार्ता के लिए चुना। बेमन से ही सही, पाकिस्तान की इस कूटनीतिक सफलता से विश्व में पाकिस्तान की एक नए रूप के उभार को हमें स्वीकार करना ही होगा। यही हमारी विदेश नीति स्पष्ट रूप से असफल होती दिखती है। युद्धरत दो देशों को तुरंत युद्ध विराम पर सहमत कर आगे स्थाई शांति के लिए समझौता वार्ता के लिए तैयार कराने के एक इस कृत्य ने आतंकवादी गतिविधियों को चलाने व पनाह देने वाला पाकिस्तान को पूरे विश्व में शांति का मसीहा बना दिया। पाकिस्तान अमेरिका का पिछलग्गू होने के साथ सऊदी अरब जो ईरान का दुश्मन है, के साथ रक्षा संबंधी ट्रीटी करने के बावजूद, ईरान- अमेरिका युद्ध के दौरान 'न पूर्ण समर्थन न पूर्ण विरोध की नीति' अपना कर ईरान से संबंधों का संतुलन बनाए रखा। हमारी मेंनस्ट्रीम मीडिया का तो दिवालिया ही निकल गया, जो बीच युद्ध में पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिश को नकार रहा था। तथापि चीन भी पर्दे के पीछे चुप रहकर अपनी सहायक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा था, जबकि हम रात में सो रहे थे।

'अमेरिका की विजय': 1 अमेरिका की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि उसकी ईरानी सभ्यता को प्राप्त करने की गंभीर धमकी के आगे वह ईरान, जिसने घोषणा की थी कि आगे वह अमेरिका से कभी बातचीत नहीं करेगा, को बातचीत के टेबल पर आने के लिए रजामंद होना पड़ा।

2 दूसरी बड़ी उपलब्धि होर्मुज जलडमरूमध्य का समुद्री रास्ता विश्व के लिए खुल गया जो अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गई युद्ध के कारण बंद हो गया था।

3 अमेरिका ने अपने 'दोस्त' भारत को छोड़कर पाकिस्तान से 'आतंकवादी देश का तमगा' हटाकर उसे 'शांति दूत' के रूप में स्थापित किया, जो आगे मिडिल ईस्ट खासकर मुस्लिम देशों में अमेरिका के लिए एक बड़ा 'टूल' सिद्ध हो सकता है।

4 ईरान के सर्वोच्च नेता एवं शिया संप्रदाय के विश्व के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खोमेनई सहित 40 से अधिक सर्वोच्च कमांडरों की हत्या कर हार्डकोर शासन परिवर्तन के दावे के बावजूद परिणाम आशानुकूल नहीं मिले।

5 ईरान की हवाई शक्ति को नेस्तनाबूद करने का दावा। तथापि पूरी तरह सही नहीं।

'ईरान की उपलब्धियां: 1 खोमेनई के 40 दिन के राष्ट्रीय शोक की समाप्ति पर ईरान को सबसे बड़ा यह मिला कि उसके 10 सूत्री स्थाई शांति प्रस्ताव पर ही आगे शांति वार्ता (इस्लामाबाद टॉक) की जाएगी।

2 दूसरी; ईरान की उपलब्धि यह रही कि होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री रास्ते पर उसकी निगरानी और नियंत्रण बना रहेगा, भले ही जहाजों का आवागमन निर्बाध, बिना किसी 'चौथ वसूली' के तुरंत शुरू हो जाएगा।

3 तीसरा; इसराइल को बातचीत में शामिल किए बिना न केवल इजराइल ने इस अस्थाई युद्ध विराम को स्वीकार किया है, बल्कि उसने लेबनान पर हमला रोकने की घोषणा भी की है।

4 ईरान अपने परमाणु संयंत्रों को बचाए रखने में सफल रहा।

ईरान में संचार अंधकार का दौर सत्ता, संघर्ष और समाज के बीच टूटता संवाद

कांतिलाल मांडोत

ईरान में यह संचार बंदी ऐसे समय में लागू की गई है, जब देश बाहरी हमलों और आंतरिक अस्थिरता दोनों का सामना कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते टकराव ने वहां की सरकार को सुरक्षा के नाम पर कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। सरकार का मानना है कि संचार माध्यमों के जरिए अफवाहें, गलत सूचनाएं और विरोध को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसलिए संचार सेवाओं को सीमित या पूरी तरह बंद करना एक रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इस निर्णय का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है।

मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और टकराव के बीच ईरान में एक और गंभीर स्थिति सामने आई है, जहां संचार व्यवस्था का ठप हो जाना अब एक नए संकट के रूप में उभर रहा है। पिछले सैंतीस दिनों से देश में संचार सेवाओं पर लगा प्रतिबंध न केवल आम नागरिकों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि यह शासन, सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच गहरे संघर्ष को भी उजागर करता है। यह स्थिति केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक कारणों का जटिल मिश्रण छिपा हुआ है।

ईरान में यह संचार बंदी ऐसे समय में लागू की गई है, जब देश बाहरी हमलों और आंतरिक अस्थिरता दोनों का सामना कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते टकराव ने वहां की सरकार को सुरक्षा के नाम पर कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। सरकार का मानना है कि संचार माध्यमों के जरिए अफवाहें, गलत सूचनाएं और विरोध को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसलिए संचार सेवाओं को सीमित या पूरी तरह बंद करना एक रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इस निर्णय का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। इसका सबसे बड़ा असर आम नागरिकों पर पड़ा है, जो अपने परिवार, मित्रों और बाहरी दुनिया से कट चुके हैं। व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। छोटे व्यापारी, छात्र और पेशेवर लोग सबसे अधिक संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनके कामकाज का बड़ा हिस्सा संचार पर निर्भर करता है। ऐसे में यह संचार बंदी एक प्रकार से सामाजिक और आर्थिक जीवन को ठहराव की स्थिति में ले आई है। इस स्थिति का एक और पहलू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा है। जब संचार माध्यम बंद हो जाते हैं, तो लोगों की आवाज भी सीमित हो जाती है। वे अपनी समस्याएं, विचार और विरोध खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। इससे समाज में असंतोष और निराशा बढ़ने की संभावना रहती है। इतिहास गवाह है कि जब लोगों की आवाज दबाई जाती है, तो वह किसी न किसी रूप में और अधिक तीव्रता के साथ सामने आती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि इस तरह की लंबी संचार बंदी नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। हालांकि, ईरान सरकार का तर्क है कि यह कदम अस्थायी है और देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। लेकिन सैंतीस दिनों का लंबा समय इस अस्थायी उपाय को एक स्थायी संकट का रूप देता जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम को यदि व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि संचार आज केवल सूचना का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह शक्ति और नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। जो इसे नियंत्रित करता है, वह समाज की दिशा और गति को भी प्रभावित कर सकता है। ईरान में हो रही यह घटना इसी बात का उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां एक ओर देशों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सूचना का प्रवाह भी एक युद्ध का रूप ले चुका है। इस सूचना युद्ध में सच्चाई और भ्रम के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में किसी देश द्वारा संचार को पूरी तरह बंद करना एक तरह से इस युद्ध से बचने का प्रयास भी हो सकता है, लेकिन इसके परिणाम दूरगामी और जटिल होते हैं।

ईरान की स्थिति यह भी दर्शाती है कि आधुनिक समाज में संचार का महत्व कितना अधिक हो गया है। आज के समय में यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। इसके बिना जीवन की कल्पना करना भी कठिन है। इसलिए जब इसे अचानक छीन लिया जाता है, तो इसका प्रभाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी होता है।

आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ईरान इस स्थिति से कैसे बाहर निकलता है। क्या सरकार संचार सेवाओं को बहाल करेगी या यह प्रतिबंध और लंबा खिंचेगा, यह कई कारकों पर निर्भर करेगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव, आंतरिक हालात और सुरक्षा की स्थिति इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंततः, यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि तकनीक और सत्ता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। जहां एक ओर सुरक्षा आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि इन दोनों के बीच संतुलन नहीं बनाया गया, तो इसका खामियाजा समाज को भुगतना पड़ता है।

ईरान में जारी यह संचार अंधकार केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक चेतावनी है कि आधुनिक युग में सूचना और संचार कितने महत्वपूर्ण हो चुके हैं। इसे नियंत्रित करने के प्रयास हमेशा विवाद और असंतोष को जन्म देते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों का सम्मान बना रहे।

पाक में अमेरिका- ईरान शांति वार्ता के मायने

सौरभ वार्ष्णेय

पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता केवल एक कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और मध्य-पूर्व की बदलती भू-राजनीति का संकेत है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र लगातार तनाव, प्रॉक्सी युद्धों और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान का मध्यस्थ के रूप में उभरना कई महत्वपूर्ण संदेश देता है। सबसे पहले, यह पाकिस्तान के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने का अवसर है। लंबे समय तक आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट से जूझने वाला पाकिस्तान अब खुद को एक जिम्मेदार और शांति-स्थापक देश के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। यदि वह अमेरिका और ईरान जैसे कट्टर विरोधियों को बातचीत की मेज पर ला पाता है, तो यह उसकी कूटनीतिक सफलता मानी जाएगी। दूसरी ओर, यह अमेरिका की रणनीतिक लचीलापन को दर्शाता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान पर दबाव की नीति अपनाता रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरण-खासतौर पर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव-ने उसे बातचीत के रास्ते पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। पाकिस्तान को मंच के रूप में चुनना इस बात का संकेत है कि अमेरिका क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए नए रास्ते तलाश रहा है। ईरान के लिए भी यह वार्ता राहत का संकेत हो सकती है। आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से जूझ रहा ईरान यदि बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक संबंधों में सुधार संभव है। पाकिस्तान के साथ उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध इस प्रक्रिया को सहज बना सकते हैं। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया के पीछे बड़ी शक्तियों का खेल भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है, इस वार्ता में अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह क्षेत्र में स्थिरता चाहता है ताकि उसकी आर्थिक परियोजनाएं, जैसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, सुरक्षित रह सकें। फिर भी, चुनौतियां कम नहीं हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास गहरा है, और किसी भी समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। इसके अलावा, इजरायल और खाड़ी देशों की प्रतिक्रिया भी इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। पाकिस्तान में होने वाली यह शांति वार्ता केवल दो देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक क्षेत्रीय संतुलन बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो न केवल मध्य-पूर्व बल्कि दक्षिण एशिया में भी स्थिरता और शांति की नई उम्मीद जगेगी। शांति वार्ता सफल होती है तो आगे क्या? अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच यदि शांति वार्ता सफल होती है, तो यह केवल दो देशों के रिश्तों में सुधार भर नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। यह एक ऐसे मोड़ की शुरुआत हो सकती है, जहां टकराव की जगह संवाद और सहयोग को प्राथमिकता मिले। सबसे पहला असर पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) की स्थिरता पर पड़ेगा। वर्षों से यह क्षेत्र युद्ध, प्रतिबंधों और प्रॉक्सी संघर्षों का केंद्र रहा है। शांति समझौते के बाद यमन, सीरिया, इराक और लेबनान जैसे देशों में चल रहे तनाव कम हो सकते हैं। ईरान समर्थित गुटों और अमेरिकी सहयोगी देशों के बीच टकराव में कमी आएगी, जिससे क्षेत्र में स्थिरता और शांति की संभावना बढ़ेगी। दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखेगा। ईरान पर लगे प्रतिबंध हटने या कम होने की स्थिति में वह खुलकर तेल निर्यात कर सकेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आ सकती है।

खास बात

चार दिनों की चांदनी फिर हरियाली रात?

शेयर बाजार में भारी उत्तल-पुथल मची हुई है. लगातार दम गिरते चले जा रहे हैं. जैसे ही बाजार में तेजी की रौनक आती है। उसके बाद मुनाफा वसूली होने से मार्केट फिर तेजी के साथ गिरता है। शेयर बाजार की यह हालत देखकर हम लोग कहने लगे हैं ।चार दिनों की चांदनी फिर हरियाली रात। शेयर बाजार से निवेशकों का भरोसा टूटता चला जा रहा है।

सर्वशक्तिमान ज्ञानेश कुमार

भारत में पहली बार नामांकन होने के बाद मतदाता सूची फाइनल होगी। मतदाता सूची फाइनल होने के बाद चुनाव की अधिसूचना जारी होती थी। सभी उम्मीदवारों एवं राजनीतिक दलों को फाइनल मतदाता सूची दे दी जाती थी। जो उम्मीदवार चुनाव लड़ना चाहता है,उसे भी पता नहीं है. उसका नाम मतदाता सूची में है, या नहीं. इसी को कहते हैं निष्पक्ष चुनाव आयोग. देश भर में चुनाव की नहीं चुनाव आयोग की चर्चा हो रही है. केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आज की तारीख में भारत में सर्वशक्तिमान हैं। यह कुछ भी करें, इनके ऊपर कोई मुकदमा नहीं चल सकता है. इनसे कोई जवाब नहीं मांग सकता है। सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से भी ऊपर हो गए हैं। 193 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव उनके खिलाफ पेश किया था। संसद के दोनों सदनों ने उसे खारिज कर दिया है। संसद में चर्चा ही नहीं होने दी इससे अंदाज लगाया जा सकता है, केंद्रीय चुनाव आयुक्त भारत के सर्व शक्तिमान हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया था। इस प्रस्ताव में चर्चा होने के पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। उनके घर पर करोड़ों रुपए के जले हुए नोट पाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने जांच की थी। जांच एजेंसी ने उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी लगाई। वह अपने आप को निर्दोष बता रहे थे। महाभियोग प्रस्ताव पेश होने के बाद भी उन्होंने चुप्पी साध रखी थी। संसद में उनके महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा होती, इसके पहले ही उन्होंने इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया है। बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोग जब किसी मामले में बुरी तरह से फंस जाते हैं। तो किसके कहने पर वह इस्तीफा देते हैं। अब उस व्यक्ति की खोज की जा रही है।

आतंकवादी देश पाकिस्तान में शांति वार्ता

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध को लेकर पाकिस्तान में शांति वार्ता होने जा रही है. पाकिस्तान हथियारों से लैस खतरनाक आतंकवादी देश भारत मानता है. इसके बाद भी अमेरिका, इजराइल और ईरान ने पाकिस्तान पर भरोसा किया है। भारत विश्व गुरु है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध इजराइल और अमेरिका से बहुत अच्छे हैं। ईरान से भी हमारे हजारों वर्षों के रिश्ते हैं। उसके बाद भी भारत को शांति वार्ता के लिए मध्यस्थ नहीं बनाया गया। आतंकवादी देश पाकिस्तान को पूरी दुनिया में सराहा जा रहा है।

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्त्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वेंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है।

पटना मुख्यमंत्री आवास में बैठकों का दौर जारी ललन सिंह पहुंच रहे पटना, अगले दो दिन अहम

पटना (हिंस)। पिछले दो महीने से बिहार की राजनीति में मची हलचल अब अपने अंतिम मोड पर पहुंचने वाली है, क्योंकि मुख्यमंत्री आवास पर बैठकों का दौर लगातार जारी है। रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर एक और बड़ी बैठक होने वाली है। बैठक में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह शामिल होंगे। साथ ही जदयू-भाजपा के सभी विधायकों को पटना बुलाया गया है। आज की बैठक में जदयू के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बैठक में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी पटना पहुंच रहे है। शनिवार को दिल्ली में भी भाजपा के वरीय नेताओं की मीटिंग हुई। बीते दिन भी मुख्यमंत्रीआवास में जदयू नेताओं के साथ नीतीश कुमार ने बैठक की। बैठक के दूसरे दिन ही नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री आवास 1 अणे मार्ग खाली कर दिया और 7 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हो गये। इसके बाद से ही नये मुख्यमंत्री और उनकी इस्तीफे की चर्चा ने जोर पकड़ लिया। रविवार सुबह सुबह 12 घंटे के अंतराल में दूसरी बार सम्राट चौधरी सीएम आवास पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच नई सरकार के गठन और मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर अहम बातचीत हो रही है। दिल्ली में शनिवार को अमित शाह, विनोद तावड़े और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने

मंथन किया था। दिल्ली में हुई इस बैठक के बाद सम्राट चौधरी और नीतीश कुमार की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है, जिससे बिहार में नई सरकार के स्वरूप और नेतृत्व को लेकर तस्वीर जल्द साफ हो सकती है। इन बैठकों और मुलाकातों के लगातार दौर से स्पष्ट होता जा रहा है कि आने वाले 2 से 3 दिनों में सियासी स्थिति साफ हो जाएगी। शनिवार शाम बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। उनके साथ मंत्री लखेंद्र पासवान भी मौजूद थे। करीब 30 मिनट चली बैठक के बाद नेताओं ने संकेत दिया कि जल्द ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और आगे की सरकार भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बनेगी। वहींउपमुख्यमंत्रीविजय सिन्हा भी मुलाकात के बाद लोकभवन पहुंचे, जहां उन्होंने करीब आधे घंटे तक अधिकारियों से चर्चा की। इसके अलावा जदयूके कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी ने भीमुख्यमंत्रीसे मुलाकात कर नए मंत्रिमंडल के स्वरूप और युवा चेहरों को शामिल करने पर चर्चा की। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री आवास में आज होने वाली अहम बैठक में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार, मंत्रियों की संख्या और विभागों के बंटवारे पर चर्चा हो सकती और अगले दो दिनों में इन मुद्दों पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यही नहीं जदयू और भाजपा दोनों दलों के विधायकों को पटना में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। जो विधायक अब तक नहीं पहुंचे हैं, उन्हें जल्द राजधानी पहुंचने को कहा गया है। आज सुबह से ही विधायकों के पटना आने का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि 13 अप्रैल को वर्तमान सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक हो सकती है। इसके ठीक अगले दिन यानी 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। इस्तीफे के तुरंत बाद एनडीए विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए नेता का औपचारिक चुनाव और सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। नीतीश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली है। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इसके साथ ही नीतीश कुमार उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं, जो लोकसभा, राज्यसभा, बिहार विधानसभा और विधान परिषद चारों सदनों के सदस्य रह चुके हैं।

पंजाब विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र आज

सरकार पास करेगी बेअदबी कानून

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में पूर्व अकाली सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई बेअदबी की घटनाओं का मुद्दा एक बार फिर से उठ गया है। पंजाब सरकार सोमवार को बैसाखी के अवसर पर पंजाब विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाकर बेअदबी के विरुद्ध नया कानून पास करने जा रही है। नए कानून को जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार बिल 2026 का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में नए विधेयक को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने वालों को कड़ी सजा देना है, जिसमें आजीवन कारावास (उम्रकैद) और 5 लाख से 25 लाख तक का जुर्माना शामिल है। प्रस्तावित नए कानून के अनुसार बेअदबी के दोषी पाए जाने वालों को न्यूनतम 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों की जांच अब डीएसपी स्तर से नीचे का अधिकारी नहीं कर पाएगा, जिससे जांच में पारदर्शिता और मजबूती आए। सोमवार को विधानसभा में पेश होने वाले विधेयक पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पेश किए जा रहे इस बिल को लेकर स्पष्टता की कमी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ मंत्री इसे पूरी तरह नया बिल बता रहे हैं, जबकि दूसरी ओर इसका नाम पहले से मौजूद 2008 के एक्ट से मिलता-जुलता है। ऐसे में यह समझना मुश्किल हो रहा है कि सरकार पुराने कानून में संशोधन कर रही है या फिर बेअदबी के मामलों को लेकर नया कानून बना रही है। धामी ने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री चीमा को खुद इस बिल की पूरी जानकारी नहीं है। धामी ने कहा कि उनके बयानों में विरोधाभास साफ दिखाई देता है, जिससे सिख संगत के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। धामी ने सरकार पर शिरोमणि कमेटी की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने बताया कि कमेटी की ओर से बनाई गई उच्च स्तरीय समिति ने कई बार सरकार और उसकी सेलेक्ट कमेटी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। धामी ने जोर देकर कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का मामला सिखों की आस्था और भावनाओं से जुड़ा हुआ है, इसलिए सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर केवल राजनीति कर रही है और सही जानकारी साझा नहीं कर रही।

बिहार में सरकार गठन की प्रक्रिया जल्द होगी शुरू, कुछ ही दिनों में सब कुछ तय हो जाएगा : विजय चौधरी

पटना (हिंस)। बिहार की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बीच लगातार दो दिनों तक हुई अहम बैठकों के बाद सरकार के भविष्य को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। इस बीच राज्य सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने संकेत दिए हैं कि राज्य में जल्द ही नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। पटना में रविवार को पत्रकारों से बातचीत में विजय चौधरी ने कहा कि आगामी कुछ दिनों में सरकार गठन को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरी टाइमलाइन जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी, जिससे राजनीतिक अनिश्चितता खत्म हो सके। जब उनसे अगले मुख्यमंत्री के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने साफ कहा कि यह निर्णय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथ में है। उन्होंने बताया कि भाजपा की एक तय प्रक्रिया होती है, जिसके तहत मुख्यमंत्री पद के लिए नाम का चयन किया जाता है। इसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी विधायक मिलकर विधायक दल की बैठक में अपने नेता का चुनाव करते हैं। वही नेता राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनता है। विजय चौधरी ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन अंतिम औपचारिक निर्णय गठबंधन के सभी घटक दलों की सहमति से ही लिया जाएगा। कैबिनेट गठन को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इसकी संभावना तो है, लेकिन फिलहाल इसकी तारीख तय नहीं की गई है। इससे साफ है कि सरकार गठन के साथ-साथ मंत्रिमंडल विस्तार पर भी अभी मंथन जारी है। सबसे अहम बात यह रही कि विजय चौधरी ने संकेत दिया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि, उन्होंने कोई निश्चित तारीख नहीं बताई, लेकिन यह जरूर कहा कि पूरी प्रक्रिया का खाका जल्द सामने आएगा। अंत में उन्होंने मीडिया और जनता से धैर्य बनाए रखने की अपील की और कहा कि बिहार की राजनीति में चल रही इस हलचल पर जल्द ही स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाएगी।

देवरिया में यूजीसी फैसलों के विरोध में जन आक्रोश रैली

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के बैतालपुर स्थित थापर इंटर कॉलेज परिसर में रविवार को यूजीसी संघर्ष समिति के तत्वावधान में जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। रैली में विभिन्न क्षेत्रों से आए वक्ताओं और लोगों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हाल ही में लिए गए फैसलों का कड़ा विरोध करते हुए उन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। रैली में रवि प्रकाश मिश्रा *छोटे* ने यूजीसी के प्रावधानों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि इन फैसलों से समाज में विभाजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन निर्णयों को वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और लोग सड़कों पर उतरने को बाध्य होंगे।

हरियाणा के पानीपत में सड़क किनारे खंभे पर मिला जासूसी कैमरा, सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप

पानीपत (हिंस)। हरियाणा के पानीपत जिले में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक मुख्य सड़क के किनारे बिजली के खंभे पर गुप्त तरीके से लगाया गया जासूसी कैमरा बरामद हुआ। जाटल रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास मिले इस आधुनिक उपकरण ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। कैमरा मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पुलिस अधिकारियों की तुरंत आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें शहर की सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई। अब पुलिस की टीमें इलाके में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि कैमरा कब लगाया गया था। थाना मॉडल टाउन प्रभारी जगमिंदर ने बताया कि जाटल रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास गुप्त कैमरा के पता तब चला जब मॉडल टाउन थाने में तैनात एक मुलाजिम की नजर इस कैमरे पर पड़ी तो उस मुलाजिम ने इस कैमरे की बाबत वहां के दुकानदारों पूछताछ की लेकिन सभी ने अनभिज्ञता जाहिर की तब इसकी गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया। मौके पर पुलिस बल के साथ तकनीकी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की एक टीम भेजी गई। इंजीनियरों की मदद से पुलिस ने बहुत ही सावधानी पूर्वक कैमरे को उस स्थान से निकाला और सभी उपकरणों सहित कब्जे में कर लिया है। साथ ही इसकी विस्तृत जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में जिस तरह से कैमरे को फिट किया गया था, वह किसी गहरी साजिश या जासूसी की ओर इशारा कर रहा है। तथा कैमरा लगाने के पीछे का कारण चौंकाने वाला हो सकता है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि क्या इसका इस्तेमाल किसी विशेष व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा रहा था या इसके पीछे कोई और आपराधिक मंशा थी। थाना प्रभारी जगमिंदर का कहना है कि कैमरे की तकनीकी जांच की जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि इसमें डेटा कैसे स्टोर हो रहा था या इसे कहीं दूर से ऑपरेट किया जा रहा था। दोषियों की पहचान भी जल्द कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण का मील का पत्थर : भाजपा प्रदेश मंत्री अपूर्वा सिंह चौहान

बीकानेर (हिंस)। भाजपा प्रदेश मंत्री अपूर्वा सिंह चौहान ने रविवार को बीकानेर में *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि यह देश की आधी आबादी को मुख्यधारा की राजनीति में सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगा। आज भाजपा संभाग मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अपूर्वा सिंह चौहान ने कहा कि *नारी शक्ति का सम्मान ही देश का स्वाभिमान है* और इसी भावना के साथ केंद्र सरकार द्वारा लाया गया यह अधिनियम देशभर में उत्साह का वातावरण बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इसके लागू होने से महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और वे नीति-निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश की महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पर जो विश्वास जताया है, उसी का परिणाम है कि आज महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। महिलाओं के आशीर्वाद और समर्थन से ही मोदी सरकार निरंतर जनहित में ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विजन तभी साकार होगा, जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने केंद्र सरकार की महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, जनधन योजना एवं *लखपति दीदी* संकल्प का भी उल्लेख किया।

विश्व हिंदू महासंघ के 45वें स्थापना दिवस पर निकली भव्य *वंदे मातरम्* शोभा यात्रा

देवरिया (हिंस)। विश्व हिंदू महासंघ के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को शहर में भव्य *वंदे मातरम्* शोभा यात्रा निकाली गई। इस आयोजन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभा यात्रा पुरवा चौराहा से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, रुद्रपुर मोड़ होते हुए, शहीद रामचंद्र विद्यार्थी पार्क पर जाकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान *भारत माता की जय* और *वंदे मातरम्* के जयघोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर नीरज शाही, ब्लॉक प्रमुख पिंटू जायसवाल तथा मंडल प्रभारी बृजेश तिवारी सहित संगठन के कई पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। आकर्षक झांकियां और राष्ट्रभक्ति गीत लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे आयोजन में अनुशासन और संगठन की एकता स्पष्ट रूप से झलकी। आयोजकों ने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

दरबार साहिब में नतमस्तक हुई प्रियंका चोपड़ा, नई फिल्म के लिए की अरदास

चंडीगढ़ (हिंस)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने शनिवार आधी रात को अमृतसर स्थित दरबार साहिब पहुंचकर माथा टेका। यहां करीब दो घंटे तक उन्होंने लंगर हॉल तथा बर्तन मांजने की सेवा भी की। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अगली फिल्म अमरी की शूटिंग के सिलसिले में अमृतसर तथा आसपास के क्षेत्रों में रह रही हैं। बीती रात उनकी शूटिंग पूरी हुई और काम खत्म होते ही वह सीधे गोल्डन टेंपल पहुंच गईं। करीब 12 दिनों के भीतर प्रियंका चोपड़ा दूसरी बार गोल्डन टेंपल पहुंचीं। यहां उन्होंने दरबार साहिब में माथा टेका। इसके बाद वह लंगर हॉल में गईं, जहां उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक बर्तन धोने की सेवा की। साथ ही लंगर के अन्य कार्यों में भी सहयोग किया। इससे पहले वह 31 मार्च को भी यहां आई थी।

मुख्यमंत्री योगी व रक्षा मंत्री ने आशा भोसले के निधन पर जताया दुख, अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुर साम्राज्ञी आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया और बड़ी क्षति बताया। बॉलीवुड की दिग्गज गायिका और दिवंगत लता मंगेशकर की बहन आशा भोसले ने 92 साल की उम्र में रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। निधन से उनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रख्यात गायिका आशा भोंसले के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा भोसले को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि भारतीय संगीत जगत की स्वर-साम्राज्ञी, महान सुर-साधिका, *पद्म विभूषण* आशा भोसले जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उनकी अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उनके मधुर स्वर सदैव देश वासियों के मन में गूंजते रहेंगे। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति और शोकाकुल परिजनों एवं प्रशंसकों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शांति! प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दौरे पर आओ भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रख्यात गायिका आशा भोंसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स

पर लिखा कि भारत की सुर साम्राज्ञी आशा भोसले का निधन मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है। पार्श्व गायिका के रूप में उन्होंने हजारों फिल्मों एवं संगीत एल्बम्स में अपनी आवाज दी। उनके गाये हुए गीतों को भारत की कई पीढ़ियों ने सुना और गुनगुनाया है। उनके सुमधुर गीतों की गूंज सदैव बनी रहेगी। आशा भोसले जी का निधन संगीत और जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति! उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई मंत्रियों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

हाईटेंशन लाइन से तार चोरी करते करंट की चपेट में आए दो बदमाश एक की मौत, दूसरा गंभीर

भरतपुर (हिंस)। भरतपुर जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र में हाईटेंशन बिजली लाइन से तार चोरी करने के दौरान करंट लगने से एक बदमाश की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। घायल को पहले आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसकी हालत नाजुक होने पर जयपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार 33 केवी बिजली लाइन पर तार काटने के प्रयास के दौरान यह हादसा हुआ। रविवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने बिजली लाइन पर एक व्यक्ति का शव लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बिजली आपूर्ति बंद कराकर करीब सात घंटे बाद शव को नीचे उतरवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और घायल दोनों बिजली तार चोरी के मामलों में पूर्व से संलिप्त थे। मृतक की पहचान सुनील (30) निवासी कृष्णा धाम कॉलोनी, मथुरा (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ पहले से चार मामले दर्ज थे।

खाटूश्यामजी में नॉन-वेंडिंग जोन में एआई से कटेगा चालान, विकास कार्यों को मिलेगी गति : कलेक्टर

सीकर (हिंस)। सीकर जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने कहा है कि खाटूश्यामजी में नॉन-वेंडिंग जोन में रेहड़ी-ठेला या दुकान लगाने वालों पर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से स्वतः चालान काटे जाएंगे। इसके साथ ही प्रस्तावित रोपवे परियोजना पर नए सिरे से विचार किया जाएगा, जबकि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीवरेज और ड्रेनेज व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी। कलेक्टर मोदी ने रविवार को खाटूश्यामजी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आमजन से संवाद किया। उन्होंने कहा कि खाटू के समग्र विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई है। बैठक में व्यापार मंडल, स्थानीय संगठनों और श्रद्धालुओं के सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि सड़कों से अतिक्रमण हटाने,

सीवरेज-ड्रेनेज व्यवस्था और अन्य विकास कार्यों के लिए विभागवार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री स्तर पर भी खाटूश्यामजी के विकास को लेकर लगातार फीडबैक लिया जा रहा है और रुके हुए कार्य जल्द ही पुनः शुरू किए जाएंगे। बढ़ते श्रद्धालु आवागमन को देखते हुए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और उप-जिला अस्पताल के नए भवन का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। अतिक्रमण हटाने के मुद्दे पर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पुलिस, नगर पालिका और प्रशासनिक अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने अतिक्रमण-मुक्त खाटू बनाने के लिए सभी विभागों को मिलकर प्रयास करने के निर्देश दिए। जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की मांग डीजीपी को भेजी गई है। उन्होंने कहा कि लगभग एक सप्ताह में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता उपलब्ध हो जाएगा और यातायात थाने के प्रस्ताव पर भी कार्रवाई जारी है। फिलहाल ट्रैफिक प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। बैठक में खाटूवासियों ने कई मांगें रखीं, जिनमें निकास द्वार पर 40 फीट चौड़ा स्थायी रास्ता, कबूतर चौक क्षेत्र से अतिक्रमण हटाना, ट्रैफिक जाम का स्थायी समाधान, सीवरेज लाइन बिछाना, नॉन-वेंडिंग जोन का निर्धारण और रींगस से खाटू तक अधूरे पैदल मार्ग को पूरा करना शामिल है। ग्रामीण मोहन मावलिया ने खाटू कस्बे में बढ़ती ट्रैफिक समस्या को गंभीर बताते हुए रिंग रोड निर्माण की मांग की। इस पर कलेक्टर ने कहा कि रिंग रोड का प्रारंभिक कार्य शुरू हो चुका है और जल्द ही इसके लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश रामूका ने प्रस्तावित रोपवे परियोजना को रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि मंदिर मैदानी क्षेत्र में स्थित होने के कारण इसकी आवश्यकता नहीं है। व्यापार मंडल अध्यक्ष सोनू जोशी और मंत्री श्याम सुंदर पूनिया ने मुख्य बाजार से अतिक्रमण हटाने और अस्थायी वेंडरों पर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने ई-रिक्शों के अनियंत्रित संचालन पर रोक लगाने की भी मांग उठाई। बैठक में एडीएम (सिटी) भावना शर्मा, एडिशनल एसपी दीपक गर्ग, डीएसपी राव आनंद, श्रीश्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

चंदा महोत्सव 16 को 17 को *सांस्कृतिक कार्यक्रम* होगा

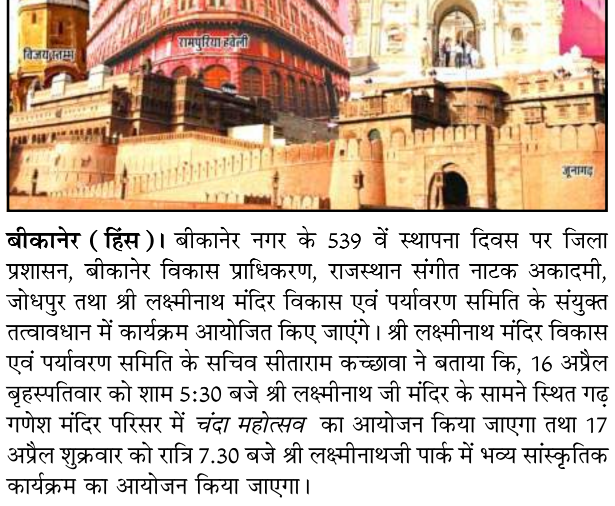

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर नगर के 539 वें स्थापना दिवस पर जिला प्रशासन, बीकानेर विकास प्राधिकरण, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर तथा श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर विकास एवं पर्यावरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर विकास एवं पर्यावरण समिति के सचिव सीताराम कच्छावा ने बताया कि, 16 अप्रैल बृहस्पतिवार को शाम 5:30 बजे श्री लक्ष्मीनाथ जी मंदिर के सामने स्थित गढ़ गणेश मंदिर परिसर में *चंदा महोत्सव* का आयोजन किया जाएगा तथा 17 अप्रैल शुक्रवार को रात्रि 7.30 बजे श्री लक्ष्मीनाथजी पार्क में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों ने 40 दिनों में निकाले 1.66 लाख करोड़

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले कुछ हफ्तों में भारी पूंजी निकासी से बाजार पर दबाव बना हुआ है, हालांकि घरेलू निवेशकों का समर्थन कुछ राहत दे रहा है।

विदेशी निवेशकों का रुख कमजोर, एशियाई बाजारों की ओर बढ़ा झुकाव, घरेलू निवेशकों ने संभाला मोर्चा

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बेरुखी लगातार जारी है। पिछले करीब 40 दिनों में एफआईआई ने 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक की भारी निकासी की है, जो निवेशकों के घटते भरोसे का संकेत मानी जा रही है। अप्रैल 2024 में अब तक 48,213 करोड़ रुपये की बिकवाली हो चुकी है, जबकि पूरे साल में यह आंकड़ा 1.79 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच गया है। मार्च महीना एफआईआई के लिए सबसे कमजोर साबित हुआ, जब उन्होंने 1.17 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इससे पहले जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई थी, जबकि फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये की सीमित खरीदारी देखने को मिली थी। विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकालकर दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे अन्य एशियाई बाजारों में निवेश बढ़ा रहे हैं, जहां वैल्यूएशन अपेक्षाकृत आकर्षक हैं। इसके अलावा, अमेरिकी ब्याज दरों में ऊंचाई और डॉलर की मजबूती भी उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन रही है। हालांकि, इस दबाव के बीच घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने बाजार को सहारा दिया है। हाल ही में एक कारोबारी सत्र में एफआईआई और डीआईआई दोनों की खरीदारी से सेंसेक्स और निफ्टी में अच्छी बढ़त दर्ज की गई। बावजूद इसके, विशेषज्ञ मानते हैं कि एफआईआई की लगातार बिकवाली निकट भविष्य में बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पशुपति कॉटस्पिन लिमिटेड का स्टॉक स्प्लिट, 17 अप्रैल एक्स-डेट तय

नई दिल्ली। टेक्सटाइल सेक्टर की कंपनी पशुपति कॉटस्पिन लिमिटेड अगले हफ्ते बड़ा कॉरपोरेट एक्शन करने जा रही है। कंपनी ने अपने शेयरों के स्टॉक स्प्लिट के लिए 17 अप्रैल को एक्स-डेट तय की है, जिससे निवेशकों की हिस्सेदारी संरचना में बदलाव आएगा। कंपनी के मुताबिक, 10 रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर को घटाकर 1 रुपये फेस वैल्यू में बदला जाएगा। इसका मतलब है कि निवेशकों को हर एक शेयर के बदले 10 शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इस कॉरपोरेट एक्शन के लिए 17 अप्रैल को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों तय की हैं। इस फैसले के बाद निवेशकों के पोर्टफोलियो में शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी, लेकिन कुल निवेश मूल्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी निवेशक के पास पहले 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उनके पास 1000 शेयर हो जाएंगे, जबकि कुल वैल्यू पहले जैसी ही रहेगी। स्टॉक स्प्लिट आमतौर पर तब किया जाता है जब कंपनी का शेयर मूल्य ज्यादा हो जाता है और छोटे निवेशकों के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो जाता है। फेस वैल्यू घटने से शेयर की कीमत भी उसी अनुपात में कम हो जाती है, जिससे इसकी पहुंच बढ़ती है और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार होता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के कॉरपोरेट एक्शन से ट्रेडिंग वॉल्यूम में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि, निवेशकों को यह समझना चाहिए कि स्टॉक स्प्लिट से कंपनी के फंडामेंटल्स में कोई बदलाव नहीं होता, इसलिए निवेश का निर्णय केवल इस आधार पर नहीं लेना चाहिए ।

444 दिनों की एफडी पर सरकारी बैंकों में मिल रहा 6.6 फीसदी तक ब्याज

नई दिल्ली। सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सरकारी बैंक इस अवधि पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। बैंक एफडी लंबे समय से सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प रही है, और अब 444 दिनों की अवधि निवेशकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। मौजूदा समय में सरकारी बैंक इस अवधि पर करीब 6.10 से 6.60 फीसदी तक ब्याज दर दे रहे हैं, जो कम अवधि में स्थिर रिटर्न चाहने वालों के लिए आकर्षक माना जा रहा है। प्रमुख बैंकों की बात करें तो बैंक आफ बड़ौदा 444 दिनों की एफडी पर लगभग 6.45 फीसदी रहा है। वहीं स्टेट बैंक आफश् इंडिया (एसबीआई) इस अवधि पर 6.45 फीसदी के आसपास रिटर्न ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक आफ इंडिया भी करीब 6.60 फीसदी तक की दरें दे रहे हैं। इसके अलावा इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक इस कैटेगरी में भी 6.60 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं।

ऑटो सेक्टर के शेयर एक्सिस सिक्युरिटीज में आएगी तेजी, ब्रोकरेज ने दिया 1,860 रुपए का टारगेट

मुंबई। ऑटो कंपोनेंट्स सेक्टर में बढ़ती गतिविधियों के बीच ऑटोमोटिव एक्सेल लिमिटेड को लेकर

ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्युरिटीज ने सकारात्मक रुख अपनाया है और इसमें आगे बढ़त की संभावना जताई है। एक्सिस सिक्युरिटी ने ऑटोमोटिव एक्सेल लिमिटेड पर अपनी नई रिपोर्ट जारी करते हुए 'बाय' रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने कंपनी के लिए 1860 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 10 फीसदी की संभावित बढ़त को दर्शाता है। 10 अप्रैल को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.67 फीसदी की तेजी के साथ 1723.85 पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक में 3 से 6 महीने के नजरिए से निवेश की सलाह दी है। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर आय 116.5 रुपए रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष के 102.9 रुपए से बेहतर है। कंपनी के मार्जिन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में एबिडा मार्जिन बढ़कर 11.4 फीसदी हो गया, जो पिछली तिमाही में 10.5 फीसदी था। मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वॉल्यूम रिकवरी बनी रहने पर यह मार्जिन 13 फीसदी के पार जा सकता है। कैपेसिटी के लिहाज से कंपनी फिलहाल करीब 80 फीसदी क्षमता पर काम कर रही है और वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही तक इसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की योजना है।

यूपीआई पर चार्ज लगा तो 75 फीसदी यूजर्स छोड़ने को तैयार

सर्वे में खुलासा - मुफ्त सेवा ही लोकप्रियता की सबसे बड़ी वजह

नई दिल्ली

भारत में डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा जरिया बन चुके यूपीआई को लेकर बड़ा संकेत मिला है। ज्यादातर यूजर्स इसे मुफ्त रखना चाहते हैं और किसी भी तरह का चार्ज लागू होने पर इसका इस्तेमाल बंद करने की चेतावनी दे रहे हैं। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की लोकप्रियता के बीच एक बड़ा उपभोक्ता रुझान सामने आया है। एक सर्वे के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत यूजर्स यूपीआई पर किसी भी तरह का चार्ज लगाने के खिलाफ हैं।

इतना ही नहीं, तीन में से दो लोगों ने साफ कहा कि अगर ट्रांजेक्शन पर शुल्क लगाया गया तो वे इसका इस्तेमाल छोड़ देंगे। यह सर्वे देश के 376 जिलों में 39,000 से अधिक लोगों की राय पर आधारित है, जिसे यूपीआई चार्जिंग पर अब तक का सबसे बड़ा कंज्यूमर ओपिनियन सर्वे माना जा रहा है।

केवल 25 प्रतिशत यूजर्स ही ऐसे हैं जो किसी प्रकार का शुल्क देने को तैयार हैं, लेकिन उनके बीच भी फिक्स्ड फीस, प्रतिशत आधारित या मिश्रित मॉडल को लेकर एकमत नहीं है। यूपीआई की बढ़ती पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2026 में 240 अरब से अधिक ट्रांजेक्शन इसके जरिए हुए, जिनकी कुल वैल्यू 314 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा रही। हालांकि, इतने बड़े स्तर के बावजूद बैंक और पेमेंट कंपनियां इससे मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं।

बैंकों का कहना है कि यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट न होने के कारण उन्हें केवल लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च के चलते सिस्टम पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सर्वे में यह भी सामने आया कि 57 प्रतिशत यूजर्स को बीते एक साल में कम से कम एक बार दुकानदारों द्वारा यूपीआई पेमेंट लेने से मना किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मुफ्त मॉडल और बढ़ती लागत के बीच संतुलन बनाना अब सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

नए स्मार्टफोन नथिंग फोन (4ए) की है आकर्षक डिजाइन

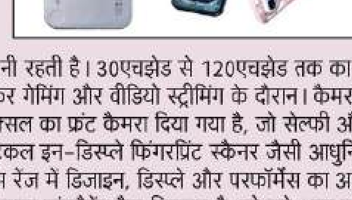

नई दिल्ली। अपने नए स्मार्टफोन नथिंग फोन (4ए) के जरिए टेक कंपनी नथिंग ने मिडरेंज सेगमेंट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह फोन डिजाइन, डिस्प्ले और परफॉर्मेंस के मामले में संतुलित और भरोसेमंद विकल्प के रूप में सामने आता है। फोन को आईपी 64 रेटिंग मिली है, जिससे यह हल्की बारिश और धूल से सुरक्षित रहता है। डिस्प्ले की बात करें तो इसमें 6.78 इंच का अमोलेड पैनल दिया गया है, जिसका रेजोल्यूशन 1224गुणा2720 पिक्सल है। स्क्रीन की ब्राइटनेस 4500 निट्स तक जाती है, जिससे तेज धूप में भी विजिबिलिटी अच्छी बनी रहती है। 30एचझेड से 120एचझेड तक का एडैप्टिव रिफ्रेश रेट यूजर्स को स्मूद एक्सपीरियंस देता है, खासकर गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग के दौरान। कैमरा सेगमेंट में फोन संतोषजनक प्रदर्शन करता है। इसमें 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है, जो सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए बेहतर है। इसके अलावा, फोन में ऑप्टिकल इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट स्कैनर जैसी आधुनिक सुविधाएं भी मौजूद हैं। कुल मिलाकर, यह स्मार्टफोन अपने प्राइस रेंज में डिजाइन, डिस्प्ले और परफॉर्मेंस का अच्छा संतुलन पेश करता है। इस स्मार्टफोन की सबसे बड़ी खासियत इसका ट्रांसपैरेंट बैक डिजाइन है, जो इसे अन्य फोनों से अलग बनाता है। इसके साथ मिलने वाला ग्लिफ इंटरफेस, जिसमें 63 मिनी एलईडी लाइट्स शामिल हैं, नोटिफिकेशन और अन्य संकेतों के लिए उपयोगी साबित होता है।

डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी, पेट्रोल को राहत

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच बड़ा कदम उठाते हुए डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी ोटिफिकेशन के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

सरकार का फैसला- वैश्विक तेल संकट के बीच घरेलू सप्लाई सुरक्षित करने पर जोर

वहीं एटीएफ पर ड्यूटी 29.5 रुपये से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल के निर्यात पर फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। यह नया नियम 11 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले को सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 और फाइनेंस एक्ट के तहत लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मौजूदा हालात में तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

हयूदै मोटर इंडिया बढाएगी कारों की कीमतें

नई दिल्ली। अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी का हयूदै मोटर इंडिया ने ऐलान किया है। मई 2026 से उसके पूरे पोर्टफोलियो पर 1 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाई जाएगी। कंपनी ने इस फैसले के पीछे बढ़ती लागत को मुख्य कारण बताया है। कच्चे माल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव, लॉजिस्टिक्स खर्च में वृद्धि और मुद्रा विनिमय दर में बदलाव ने उत्पादन लागत पर असर डाला है। खासतौर पर स्टील और एल्युमीनियम जैसे प्रमुख संसाधनों की कीमतों में इजाफा वाहन निर्माताओं के लिए चुनौती बनता जा रहा है। भारतीय बाजार में हयूदै की मजबूत पकड़ बनी हुई है और कंपनी के कई मॉडल ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हैं। खासकर एसयूवी सेगमेंट में इसकी मौजूदगी लगातार मजबूत रही है। साथ ही, कंपनी इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में भी विस्तार कर रही है, जिससे भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके। ऑटो इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि कीमतों में यह मामूली बढ़ोतरी बाजार की मांग पर ज्यादा असर नहीं डालेगी। देश में एसयूवी वाहनों की मांग लगातार बनी हुई है, जो बिक्री को सहारा दे रही है। उधर, अन्य वाहन निर्माता कंपनियां भी इसी तरह के कदम उठाने की तैयारी में हैं। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियां भी बढ़ती लागत के चलते कीमतों में इजाफा कर सकती हैं।

नया स्मार्टफोन मोटो जी स्टालस लॉन्च

नई दिल्ली

मोटोरोला कंपनी ने अपना नया स्मार्टफोन मोटो जी स्टालस (2026) लॉन्च कर दिया है। यह फोन खास तौर पर उन यूजर्स के लिए तैयार किया गया है, जो अपने डिवाइस पर लिखने, नोट्स बनाने और स्केचिंग जैसी गतिविधियां करना पसंद करते हैं। डिवाइस में एमआईएल-एसटीडी-810 एच मिलिट्री ग्रेड ड्यूरेबिलिटी के साथ आईपी68 और आईपी69 रेटिंग दी गई है, जिससे यह पानी, धूल और झटकों से सुरक्षित रहता है। फोन में 6.7 इंच का 1.5के ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ स्मूद विजुअल एक्सपीरियंस प्रदान करता है।

इसका डिजाइन प्रीमियम है और लेदर-फिनिश बैक इसे आकर्षक बनाता है। इस स्मार्टफोन की सबसे बड़ी खासियत इसका स्टाइलस है, जिसे फोन के अंदर ही स्टोर और चार्ज किया जा सकता है। यह स्टाइलस तेजी से चार्ज होकर लंबे समय तक काम करता है और करीब 100 घंटे का स्टैंडबाय टाइम देता है। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का सोनी लिटला प्राइमरी सेंसर और 13 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा दिया गया है, जबकि सेल्फी के लिए 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मौजूद है। परफॉर्मेंस के लिए फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 6 जेन 3 प्रोसेसर दिया गया है। इसके साथ 5200 एमएएच की बैटरी मिलती है, जो 68वॉट फास्ट चार्जिंग और 15वॉट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। फोन में डोल्बी अटमॉस, स्टेरियो स्पीकर्स और लेटेस्ट एंड्रॉयड वर्जन जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

नई कारों को लॉन्च करने की योजना पर काम कर रही टाटा

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स कंपनी कई नई कारों को लॉन्च करने की योजना पर काम कर रही है। बीते वित्तीय वर्ष में टाटा नेक्सान देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी रही, जिसने कंपनी को नई रणनीति बनाने का आत्मविश्वास दिया है। एफवाय 2026 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद कंपनी अब अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत करने पर जोर दे रही है।

अब टाटा इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए नई ईवीज और अपडेटेड मॉडल्स पेश करने जा रही है। कंपनी की अपकमिंग कारों में टाटा अविन्या प्रमुख है, जिसे पहली बार ऑटो एक्सपो में पेश किया गया था। यह एक प्रीमियम क्रॉसओवर एसयूवी होगी और पूरी तरह इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म पर आधारित रहेगी। इसे 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है। इसके अलावा टाटा सफारी ईवी भी चर्चा में है, जिसकी टेस्टिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह कंपनी की पहली थ्री-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी और फेस्टिव सीजन के आसपास लॉन्च हो सकती है। वहीं टाटा सियेरा ईवी को भी 2026 में बाजार में उतारने की तैयारी है, जिसकी संभावित रेंज करीब 600 किलोमीटर बताई जा रही है।

हुंडई ने की कारों के सभी मॉडलों की कीमतों में बढोत्तरी की घोषणा

नई दिल्ली । प्रमुख कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी संपूर्ण मॉडल श्रृंखला की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। मई 2026 से कंपनी की सभी लोकप्रिय गाड़ियों पर इसका असर देखने को मिलेगा। कंपनी अपनी सभी गाड़ियों की कीमतों में अधिकतम एक प्रतिशत तक की वृद्धि करने जा रही है, हालांकि हर मॉडल और उसके अलग-अलग विकल्पों के हिसाब से कीमतों में बदलाव अलग-अलग हो सकता है। इस कीमत बढ़ोतरी के पीछे कंपनी ने उत्पादन लागत में लगातार हो रही वृद्धि को मुख्य वजह बताया है। कच्चे माल, परिवहन और अन्य परिचालन खर्चों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। हुंडई ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने काफी समय तक इन बढ़ती लागतों को स्वयं वहन करने की कोशिश की थी, ताकि ग्राहकों पर सीधा बोझ न पड़े। लेकिन अब खर्चों में लगातार बढ़ोतरी के चलते कंपनी को इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाना पड़ रहा है। यह साल 2026 में दूसरी बार है जब हुंडई ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले जनवरी महीने में कंपनी ने अपने पूरे पोर्टफोलियो में लगभग 0.6 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। इसके अलावा, मार्च में भी कंपनी ने अपनी एक लोकप्रिय गाड़ी की कीमतों में शुरुआती ऑफर समाप्त होने के बाद संशोधन किया था। इस नई बढ़ोतरी का सीधा असर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ियों पर पड़ने की संभावना है, खासकर मध्यम वर्ग के ग्राहकों में लोकप्रिय मॉडलों की कीमतें बढ़ने से बिक्री पर असर पड़ सकता है। हालांकि, अंतिम रूप से यह तभी स्पष्ट होगा जब कंपनी मॉडल और विकल्प के अनुसार नई कीमतों का पूरा विवरण जारी करेगी। लगातार बढ़ती कीमतें यह संकेत देती हैं कि आने वाले समय में वाहन खरीदना और महंगा हो सकता है। ऐसे में जो ग्राहक नई गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए यह समय महत्वपूर्ण हो सकता है।

फिट इंडिया आंदोलन से जुड़ें युवा, अपनाएं सक्रिय जीवनशैली : डा. मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मंडाविया ने रविवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फिट इंडिया संडेज आन साइकिल के 69वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र निर्माण में फिटनेस की अहम भूमिका पर जोर देते हुए लोगों से फिट इंडिया आंदोलन से जुड़ने और एक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

डा. मंडाविया ने कहा कि संडे आन साइकिल अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित है, जिसके कारण देश के युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने फिट इंडिया का संदेश दिया है। यह केवल एक संदेश नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए एक आवश्यकता है।

फिटनेस के महत्व को रेखांकित करते हुए डा. मंडाविया ने कहा कि यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसके नागरिकों, खासकर युवाओं का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं और स्वस्थ समाज ही विकसित राष्ट्र बनाता है। मैं हर नागरिक से, विशेष रूप से इस देश के युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे संडे आन साइकिल आंदोलन से जुड़ें और फिट इंडिया का संदेश फैलाएं।

खेल मंत्री ने फीट इंडिया एप के जरिए फिटनेस के साथ सस्टेनेबिलिटी को जोड़ने पर भी जोर दिया। इस ऐप की मदद से नागरिक साइकिल चलाकर कार्बन क्रेडिट कमा सकते हैं। इस पहल का मकसद पर्यावरण के अनुकूल आवाजाही को बढ़ावा देना और साथ ही सेहतमंद जीवनशैली को पुरस्कृत करना है। जमा हुए कार्बन क्रेडिट का इस्तेमाल उत्पाद खरीदने के लिए किया जा सकता है।

कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहा– तेज संगीत, जुम्बा सेशन, योग गतिविधियां, रस्सी कूद, टग आफ वार और विभिन्न फिटनेस गेम्स ने इसे एक जीवंत फिटनेस उत्सव बना दिया। हर उम्र के लोग, छात्र, पेशेवर, खिलाड़ी शामिल हुए।

कार्यक्रम में राहगीरी फाउंडेशनद्वारा स्टेट यूथ लीडर्स थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

पीएसएल में खेलने पाकिस्तान पहुंचे मैक्सवेल

लाहौर। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए लाहौर पहुंच गये हैं। पीएसएल में वह हैदराबाद किंग्समेन की ओर से खेलेंगे मैक्सवेल के पास इस लीग में खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया था। इसके अलावा वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल नहीं थे। आईपीएल में मैक्सवेल का प्रदर्शन कभी भी अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक सत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण इस बार उन्होंने आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी–नीलामी में भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह पीएसएल में में शामिल होकर किंग्समेन से जुड़ गए। वह टी20 लीग में मार्नस लाबुशेन की कप्तानी में खेलेंगे। किंग्समेन का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह चारों मैच हारे हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में मैक्सवेल के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी। किंग्समेन को उम्मीद है कि मैक्सवेल के आने से उसे लाभ होगा। मैक्सवेल ने अब तक 503 टी20 मैचों में 10986 रन और 198 विकेट लिए हैं। वहीं 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2897 रन और 51 विकेट हैं। मैक्सवेल ने आईपीएल में अलग–अलग टीमों से करीब एक दशक तक खेला है। मैक्सवेल को जिस प्राकर सीए ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया है। उससे साफ है कि उनका करियर खतरे में पड़ गया है। उन्होंने साल 2012 में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में आस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था।

रायल्स के मैनेजर को मोबाइल चलाते देखकर हैरान ललित मोदी ने उठाये सवाल

गुवाहाटी। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने राजस्थान रायल्स और रायल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आसीबी) के बीच बीच हुए मैच में मोबाइल फोन चलाने को लेकर रायल्स के मैनेजर रोमी भिंडर पर निशाना साधा है। ललित मोदी ने कहा है कि रायल्स के मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि उसे भी इस मामले में सजग रहना चाहिये था। रायल्स और आरसीबी मैच के दौरान मैनेजर भिंडर खिलाड़ियों के पास बैठकर फोन ही फोन चला रहे थे जबकि मैव के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रानिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की इजाजत मैनेजर को नहीं है। पूर्व कमिश्नर ललित इससे हैरान दिखे। उन्होंन सोशल मीडिया पर एंटी–करप्शन अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिये थी। गौरतलब है कि नियमों के तरत मैनेजर डगआउट में फोन रख सकते हैं पर चला नहीं सकते। ड्रेसिंग रूम में मोबाइल के उपयोग की अनुमति है पर मैदान में नहीं है।आईपीएल नियमों के तहत ही मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रानिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन डगआउट में नहीं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले सीएसके के दूसरे खिलाड़ी बने सैमसन

चेन्नई। संजू सैमसन के शानदार शतक से आखिरकार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को आईपीएल में पहली जीत मिल ही गयी। सैमसन ने 52 गेंदों पर 102 रन बनाए। शुरुआती तीन मैचों में हार के बाद सीएसके ने दिल्ली कैपटल्स को हराया। इस मैच में सैमसन ने शतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। उन्होंने इसी के साथ ही लीग में अपना चौथा शतक लगाया है। ये आईपीएल कैरियर में सैमसन को चौथा शतक है। वहीं कैपिटलस के खिलाफ शतक लगाने वाले वह सीएसके के दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 2012 में मुरली विजय ने दिल्ली के खिलाफ शतक लगाया था। सैमसन ने 52 गेंदों जबकि मुरली ने 58 गेंदों पर शतक लगाय था। इस प्रकार तेजी के मामले में सैमसन उनसे आगे हैं। सैमसन ने अपना पहला शतक पुणे में साल 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ लगाया था। तब उन्होंने 63 गेंदों पर 102 रन बनाए थे। वहीं 2019 में सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 55 गेंदों पर 102 रन बनाए जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ साल 2021 में वानखेड़े में 63 गेंदों पर 119 रन बनाए थे।

सुजीत और अभिमन्यु ने जीते गोल्ड, एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के नाम 14 पदक

नई दिल्ली

सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शनिवार को वर्ल्ड अंडर–23 चैंपियन सुजीत और अभिमन्यु ने अपने–अपने पुरुषों के फ्रीस्टाइल फाइनल मुकाबलों में भारत को दो गोल्ड मेडल दिलाने में मदद की। किर्गिस्तान के बिश्केक में जारी चैंपियनशिप में सुजीत ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव के खिलाफ 8–1 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह बजरंग पूनिया (साल 2019) के बाद इस भार वर्ग में एशियन चैंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

सुजीत ने शुरुआती राउंड में धीमी शुरुआत की, क्योंकि जलोलोव ने पकड़ बनाए रखी और भारतीय पहलवान को हमला करने का मौका नहीं दिया, लेकिन 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने दूसरे राउंड की शुरुआत में ही तेजी दिखाई और उज्बेक पहलवान के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। कुछ ही मिनटों बाद, अभिमन्यु ने भारतीय खेमे के लिए खुशी दोगुनी कर दी। अभिमन्यु ने पुरुषों के 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में 0–2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया के तुलगा तुमुर ओचिर को 5–3 से हराया।

सीआईएसएफ सेंट्रल रेसलिंग टीम के 24 वर्षीय पहलवान हेड कांस्टेबल अभिमन्यु ने किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर फोर्स और देश का नाम रोशन किया। संदीप मान के पास भारत के लिए गोल्ड मेडल्स की हैट्रिक पूरी करने का मौका था, लेकिन पुरुषों के 79 किलोग्राम वर्ग के एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में उन्हें 1–2 से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले, अंकुश ने जापान के फुगा सासाकी को 8–2 से हराकर पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में ब्रान्ज जीता। इसके साथ ही भारत के कुल मेडलों की संख्या बढ़कर दो गोल्ड, चार सिल्वर और आठ ब्रान्ज मेडल हो गई। मुकाबले के आखिरी दिन भारत के पास दो और गोल्ड मेडल जीतने का मौका होगा, क्योंकि पेरिस ओलंपिक्स के ब्रान्ज मेडलिस्ट अमन (पुरुषों की 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल) और मुकुल दहिया (पुरुषों की 86 किलोग्राम फ्रीस्टाइल) ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

86 किलोग्राम वर्ग में, मुकुल दहिया ने कजाकिस्तान के बोलत साकायेव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत में ही छह प्वाइंट्स गंवा दिए थे, लेकिन फिर उन्होंने दो अहम टेकडाउन करके अपनी लय हासिल कर ली और अपने विरोधी को 12–6 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब गोल्ड मेडल के लिए उनका मुकाबला ईरान के कामरान गासेमपौर से होगा। इस बीच, दिनेश पुरुषों की 125 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में ब्रान्ज मेडल के लिए चुनौती देंगे, क्योंकि वे सेमीफाइनल में बहरीन के शमिल शरीपोव से फाल के जरिए हार गए थे।

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस : भारतीय पैडलर्स का क्लीन स्वीप, शिमला में लहराया तिरंगा

शिमला । पहाड़ों की रानी शिमला में आयोजित दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय पैडलर्स ने अपने बल्ले का ऐसा जादू बिखेरा कि विपक्षी टीमें उनके सामने टिक नहीं सकीं। एशियाई युवा चैंपियनशिप के क्वालीफायर के रूप में खेली गई इस प्रतियोगिता में भारत ने 13 स्वर्ण और 4 रजत पदक जीतकर एक बार फिर अपनी क्षेत्रीय सर्वोच्चता सिद्ध कर दी। भारतीय दल ने टीम स्पर्धाओं के बाद व्यक्तिगत और युगल श्रेणियों के फाइनल में भी विपक्षी देशों का सूपड़ा साफ कर निर्विवाद बढ़त बनाई। अंडर–19 बालक एकल के खिताबी मुकाबले में प्रियनुज भट्टाचार्य और पुनीत बिस्वास के बीच आल इंडिया फाइनल हुआ, जिसमें प्रियनुज ने पुनीत को 11–7, 6–11, 11–7, 11–6 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, बालिकाओं के इसी आयु वर्ग में जेनिफर वर्गीस ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अनन्या मुरलीधरन को 7–11, 11–9, 11–8, 11–6 से हराकर एकल खिताब पर कब्जा जमाया। प्रियनुज और जेनिफर की जोड़ी ने मिश्रित युगल में भी मालदीव की जोड़ी को 12–10, 11–2, 11–5 से मात देकर खिताबी डबल पूरा किया। 13 स्वर्ण और 4 रजत के साथ भारत बना निर्विवाद चैंपियन, प्रियनुज और जेनिफर ने जीते दोहरे खिताब , जूनियर वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों का वर्चस्व रहा। अंडर–15 बालक एकल में आदित्य दास ने दबदबा बनाते हुए अक्षय किरीकरा को सीधे सेटों में 11–6, 11–6, 11–6 से पराजित किया।

जब मैन आफ द मैच 9 रन बनाने वाला कप्तान बना, क्रिकेट इतिहास का अनूठा किस्सा

नई दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर अक्सर मैन आफ द मैच का पुरस्कार उस खिलाड़ी को मिलता है, जो बल्ले या गेंद से धमाकेदार प्रदर्शन करता है। लेकिन दिसंबर 1992 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर आस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए मुकाबले ने इस धारणा को बदल दिया। इस मैच में आस्ट्रेलिया के कप्तान मार्क टेलर ने सिर्फ 9 रन बनाए थे, फिर भी उन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। यह क्रिकेट इतिहास के उन अनूठे उदाहरणों में से एक है, जहाँ किसी खिलाड़ी की सोच, कप्तानी और फील्डिंग ने मैच का रुख बदल दिया।

बारिश के कारण सिडनी की पिच में नमी थी, जिसने तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी इस चुनौती के सामने टिक नहीं पाई और पूरी टीम महज 101 रनों पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज के घातक आक्रमण, जिसमें कर्टली एंब्रोज, कमिंस और कार्ल हूपर शामिल थे, ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। जब मार्क टेलर का बल्ला खामोश था, तब उनके दिमाग ने कमाल किया। कप्तान के तौर पर टेलर ने परिस्थितियों को बखूबी भांपा और एक शानदार रणनीति बनाई। उन्होंने फील्डिंग सेटिंग्स, गेंदबाजों के सही बदलाव और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने की कला का ऐसा इस्तेमाल किया कि मजबूत वेस्टइंडीज टीम पूरी तरह बिखर गई। स्टीव वा और माइक व्हिटनी की गेंदबाजी का टेलर ने जबरदस्त तरीके से उपयोग किया, जिससे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे।

खतरनाक वेस्टइंडीज टीम को सिर्फ 87 रनों पर आलआउट करना कोई आसान काम नहीं था। आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने टेलर की रणनीति के अनुसार सटीक लाइन–लेंथ रखी और लगातार दबाव बनाए रखा। टेलर खुद भी फील्डिंग में बेहद मुस्तैद रहे और उन्होंने इस मैच में चार शानदार कैच लपके, जिसने विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी।

बार्सिलोना में अगस्ता गोल्फ मास्टर्स

बार्सिलोना में अगस्ता गोल्फ मास्टर्स में खेलते हुए आयरलैंड के शोन लावरी।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता : चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है। इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फार्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार–बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

वैभव सूर्यवंशी: इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फार्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ–साथ आईपीएल में भी बड़े रिकार्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे आस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकार्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकार्ड आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हाज और शान मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकार्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकार्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकार्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था।

डेविड मलान के बयान से क्रिकेट जगत में हंगामा : बाल टैंपरिंग को कानूनी बना देना चाहिए

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बाल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है। एक पाडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।

आशा भोसले की सांसों की वीणा हुई शांत

सातों सुर शोक में डूबे

नई दिल्ली (हि.स.)। पूरे दक्षिण एशिया में अपनी खनकती आवाज के जादू से करीब आठ दशकों तक संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाली सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका पद्म विभूषण आशा भोसले आज अपनी सुरमयी यात्रा को विराम देकर अनंत में विलीन हो गयीं। मुंबई में अपने आवास पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कल आशा भोसले को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार दोपहर वेंटीलेंटर पर उनकी सांसों की वीणा थम गई और संगीत के सातों सुर शोक में डूब गए। उनके पुत्र आनंद भोसले ने अस्पताल के बाहर मीडिया को बताया कि आज अपराह्न उनकी मां आशा भोसले अपने नश्वर शरीर को छोड़ कर अनंत यात्रा पर चलीं गईं। कल दिन में 11 बजे से लोग उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन करेंगे और अपराह्न चार बजे शिवाजी पार्क स्थित श्मशान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनकी अंत्येष्टि की जाएगी। आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को गोआर, सांगली में हुआ था, जो उस समय सांगली की रियासत (अब महाराष्ट्र में) का हिस्सा था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर मराठी और कोंकणी थे। उनकी माता शेवंती (गुजराती) थीं। आशा भोसले के पिता एक सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक और मराठी संगीत मंच पर अभिनेता और थे। नौ साल की उम्र में उनके पिता का देहांत हो गया और उनका परिवार पुणे से कोल्हापुर और फिर मुंबई चला गया। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्होंने और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने फिल्मों में गाना और अभिनय करना शुरू कर दिया। आशा का पहला फिल्मी गीत मराठी फिल्म *माझा बाई* (1943) का *चला चला नव बाला* था। इसका संगीत दत्ता दावजेकर ने तैयार किया था। उन्होंने 1948 में हिंदी फिल्म *चुनरिया* के लिए *सावन आया* गीत गाया। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म थी, जिससे उन्होंने अभिनय की शुरुआत की। उनका पहला एकल हिंदी फिल्मी गीत 1949 में फिल्म *रात की रानी* के लिए था। 16 साल की उम्र में उन्होंने अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध 31 वर्षीय गणपतराव भोसले से शादी कर ली। आशा की शादी कामयाब नहीं रही। उनके पति गणपतराव ने उन्हें घर से निकाल दिया।

अपने तीसरे बच्चे की गर्भावस्था के दौरान वह दो बच्चों के साथ मायके लौट आईं। उन्होंने गीत गाकर, पैसे कमाकर और बच्चों की जिम्मेदारियां निभाते हुए अपना जीवन जारी रखा। उन्होंने 1950 के दशक में हिंदी फिल्मों के अधिकांश पार्श्व गायकों की तुलना में कहीं अधिक गाने गाए। इनमें से अधिकतर गाने कम बजट वाली फिल्मों में थे। उन्हें शुरुआती लोकप्रियता परिणीता (1953), बूट पॉलिश (1954), सीआईडी (1956) और नया दौर (1957) जैसी फिल्मों के लिए गाए गए गानों से मिली। कहा जाता है कि ओपी नैय्यर ने आशा भोसले को उनकी पहचान दिलाई। ओपी नैय्यर और आशा भोसले के कुछ गाने मधुबाला (हावड़ा ब्रिज, 1958) और *ये है रेशमी जुल्फों का अंधेरा,* (मेरे सनम, 1965) पर फिल्माए गए *आइए मेहरबान* हैं। *आओ हुजूर तुमको* (किस्मत) और *जाइये आप कहां* (मेरे सनम) आदि हैं। उन्होंने तुमसा नहीं देखा (1957), एक मुसाफिर एक हसीना (1962), और कश्मीर की कली (1964) जैसे गाने रिकॉर्ड किए। नैय्यर ने अपने सबसे लोकप्रिय युगल गीतों जैसे *उड़े जब जब जुल्फें तेरी* (नया दौर) कि मैं प्यार का राही हूं (एक मुसाफिर एक हसीना) कि दीवाना हुआ बादल और *इशारों इशारों में* (कश्मीर की कली) के लिए मोहम्मद रफी और आशा जी के युगल गीतों का भी इस्तेमाल किया। आशा भोसले से संगीतकार रवि ने कई लोकप्रिय गाने गवाए। उन्होंने अपनी पहली फिल्म *वचन* के लिए गीत गाए थे। हम सभी को इस फिल्म का मधुर लोरी गीत *चंदा मामा दूर के* याद है, जो बच्चों का सदाबहार पसंदीदा गीत है। उन्होंने कई फिल्मों के लिए भजन भी गाए। उनका एक भजन *तोरा मन दर्पण* (काजल) बेहद लोकप्रिय हुआ था। वक्त, चौदहवीं का चांद, गुमराह, बहू बेटी, चाइना टाउन, आदमी और इंसान, धुंध, हमराज आदि जैसी कई लोकप्रिय फिल्मों के लिए भी गाने रिकॉर्ड किए। सचिन देव बर्मन या एस.डी बर्मन ने काला पानी, काला बाजार, इंसान जाग उठा, लाजवंती, सुजाता और तीन देवियां (1965) जैसी फिल्मों में कई हिट गाने दिए। इनमें सबसे मशहूर गाना बिमल रॉय की फिल्म बंदिनी (1963) का *अब के बरस* था। इसी तरह ज्वेल थीफ (1967) का मोहक गाना *रात अकेली है* भी काफी लोकप्रिय हुआ और यह तनुजा पर फिल्माया गया था। पंचम के नाम से लोकप्रिय उनके पति राहुल देव बर्मन ने भी आशा भोसले को नई उंचाई देने में अहम भूमिका निभाई। 1966 में फिल्म *तीसरी मंजिल* के लिए संगीत निर्देशक आर.डी. बर्मन के साथ

युगल गीत गाने पर आशा को खूब लोकप्रियता मिली। बताया जाता है, जब आशा ने नृत्य गीत *आजा आजा* सुना, तो उन्हें लगा कि वह इस पश्चिमी धुन को गा नहीं पाएंगी। उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और लगभग 10 दिनों तक इसका अभ्यास किया। *आजा आजा* के साथ-साथ उन्होंने *ओ हसीना जुल्फोंवाली* और *ओ मेरे सोना रे* जैसे गीत भी गाए, जो सफल हुए और उन्हें अलग पहचान मिली। उनके कुछ अन्य प्रसिद्ध गानों में *पिया तू अब तो आजा* (कारवां) और *ये मेरा दिल* (डॉन) *दम मारो दम* (हरे रामा हरे कृष्णा, 1971) कि *दुनिया में* (अपना देश, 1972), और *चुरा लिया है तुमने* (यादों की बारात, 1973) आदि गीत शामिल हैं। आरडी बर्मन ने आशा भोसले और किशोर कुमार के युगल गीत भी रिकॉर्ड किए और कुछ प्रसिद्ध गाने *जाने जान* (जवानी दीवानी) और *भाली भाली सी एक सूरत* (बुड्ढा मिल गया) हैं। 1980 के दशक में बर्मन और आशा ने कई गाने और लोकप्रिय युगल गीत *ओ मारिया* (सागर) *!* रिकॉर्ड किया। राहुल देब बर्मन ने आशा भोसले से कुछ मधुर बंगाली गाने भी गवाए जैसे मोहुये जोमेछे आज मोउ गो कि *चोखे चोखे कोठा बोलो* कि *चोखे नामे बृष्टि* (*जाने क्या बात है* का बंगाली संस्करण) कि बंशी सुने की घोर थका जाए कि *सोंध्या बेलाए तुमी आमी* और *आज गुनगुन गुन गुंजे अमर* (*प्यार दीवाना* का बंगाली संस्करण) होता है। शंकर-जयकिशन ने भी आशा भोसले के साथ काम किया। *परदे में रहने दो* गाने के लिए उन्हें दूसरा फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। उन्होंने शंकर-जयकिशन के लिए प्रसिद्ध गीत *जिंदगी एक सफर है सुहाना* (अंदाज, 1971) भी गाया। उन्होंने बूट पॉलिश (1954), श्री 420 (1955), जिस देश में गंगा बहती है (1960), जंगली (1961), एन इवनिंग इन पेरिस (1968), और कल आज और कल (1971) आदि में भी आशा की आवाज का इस्तेमाल किया। एक अंतराल के बाद आशा भोसले की वापसी ए आर रहमान की *रंगीला* (1994) गाने से हुई। *तन्हा तन्हा* और *रंगीला रे* जैसे गाने खूब लोकप्रिय हुए। उनके हिट गानों में *मुझे रंग दे* (तक्षक) कि *राधा कैसे ना जले* (लगान, उदित नारायण के साथ युगल गीत) कि *कहीं आग लगे* (ताल) कि *ओ भंवरे* (दाउद, केजे येसुदास के साथ युगल गीत) कि *वेनिला वेनिल्ला* (इरुवर, 1999) कि सितंबर माधम (अलाईपायुथे, 2000) और *धुआं धुआं* शामिल हैं। (मीनाक्षी, 2004) शामिल हैं। आशा भोसले ने संगीतकार अनु मलिक के साथ कई हिट गाने रिकॉर्ड किए हैं। उनके प्रसिद्ध गाने ये लम्हा फिलहाल (फिलहाल) और *किताबें बहुत सी* (बाजीगर) आदि हैं। 1950 और 1960 के दशक में, आशा जी ने अनु मलिक के पिता सरदार मलिक के लिए भी गाया था, और सबसे खास तौर पर सारंगा (1960) में। उन्होंने 2012 में सुर क्षेत्र में जज की भूमिका भी निभाई। 79 वर्ष की आयु में, उन्होंने 2013 में फिल्म *माई* में मुख्य भूमिका के साथ अभिनय की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्होंने अल्जाइमर रोग से पीड़ित और अपने बच्चों द्वारा त्यागी गई 65 वर्षीय मां का किरदार निभाया। आशा जी ने मई 2020 में आशा भोसले ऑफिशियल नाम से अपना यूट्यूब चैनल भी लॉन्च किया। आशा भोसले का एक और गुण था—खाना पकाना। एक बार एक समाचार पत्र को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अगर उनका गायन करियर सफल नहीं होता तो क्या होता, तो उन्होंने कहा था कि

मैं बावर्ची बन जाती। मैं चार घरों में खाना बनाकर पैसे कमा लेती। उन्होंने दुबई, कुवैत, आबू धाबी, दोहा, बहरीन और काहिरा में रेस्तरां खोला था। रेस्तरां की इस श्रृंखला की देखरेख वाफी ग्रुप करता है। आशा भोसले ने आठ दशकों में 12 हजार से अधिक गीत गाये और तीन पीढ़ियों की नायिकाओं को उन्होंने अपनी आवाज दी। उन्हें अपने शानदार करियर में अनगिनत पुरस्कार और सम्मान मिले जिनमें प्रमुख 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स (7 सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका सहित), दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2000 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और 2008 में पद्म विभूषण शामिल हैं। 2001 में उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2011 में संगीत इतिहास में सबसे ज्यादा स्टूडियो रिकॉर्डिंग करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता देते हुए गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम दर्ज किया गया। वर्ष 2021 में उन्हें महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अलावा, उन्हें आईआईएफए, बीएफजेए और कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया और डॉक्टरेट की तीन मानद उपाधियां प्रदान की गयीं।

आशा भोंसले के दर्जनों नेपाली कालजयी गीत आज भी लोकप्रियता के शिखर पर

काठमांडू (हि.स.)। भारतीय संगीत इतिहास की सबसे चर्चित और बहुमुखी गायिकाओं में से एक आशा भोसले नेपाली संगीत क्षेत्र के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण रही हैं। मातृभाषा अलग होने के बावजूद उन्होंने कई नेपाली गीतों में अपनी आवाज दी है, जो आज की पीढ़ी के बीच भी उतनी ही लोकप्रिय हैं। नेपाली फिल्म उद्योग में 80 और 90 के दौर में आशा भोसले का प्रभाव काफी मजबूत रहा। उन्होंने नेपाल के स्वर सम्राट कहे जाने वाले नारायण गोपाल, रंजीत गजमेर, शम्भुजीत बास्कोटा, कुसुम गजमेर, तुलसी घिमिरे, किरण खरेल और यादव खरेल जैसे प्रमुख हस्तियों के साथ भी काम किया है। इतना ही नहीं, भारतीय पार्श्व गायक कुमार सानू, उदित नारायण से लेकर शान और सोनू निगम तक के साथ उन्होंने नेपाली गीत गाए हैं, जो नेपाली फिल्म और संगीत के क्षेत्र में कालजयी माने जाते हैं। आशा भोसले के साथ काम कर चुके नेपाल के प्रसिद्ध संगीतकार शंभुजीत भास्कोटा ने उनके प्रति श्रद्धांजलि प्रकट करते हुए नेपाली संगीत क्षेत्र में उनके विशिष्ट पहचान बनाने की बात कही है। बासकोटा ने

कहा कि अपनी बहुमुखी आवाज और अद्भुत गायन शैली के कारण आशा भोंसले ने नेपाली संगीत प्रेमियों के बीच भी गहरी छाप छोड़ी है और उनकी गायकी का जादू आज की पीढ़ी के बीच भी लोकप्रिय है। आशा भोसले ने विभिन्न दौर में नेपाली भाषा में कई दर्जन गीत गाए, जिनमें लोकधुन, आधुनिक संगीत और भावपूर्ण रचनाओं का सुंदर समावेश देखने को मिलता है। उनकी आवाज की मिठास और अभिव्यक्ति की गहराई ने नेपाली श्रोताओं को विशेष रूप से आकर्षित किया है। नेपाली संगीत क्षेत्र में उनके योगदान को सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। भारत और नेपाल के बीच संगीत के माध्यम से जुड़ाव को मजबूत करने में उनका अहम योगदान रहा है। उनके लोकप्रिय नेपाली गीतों में *गैरी खेतको सिरै हानी* कि *मोहनी लाग्ला है,* आकाशैले उडाई दियो माया मेरो कि उकाली ओराली गर्दै कि झिम झिम परेलीमा और *चिसो चिसो हावामा* जैसे गीत शामिल हैं, जो आज भी श्रोताओं के बीच बेहद पसंद किए जाते हैं। इन गीतों में उनकी सुरीली आवाज और भावनात्मक प्रस्तुति ने उन्हें अमर बना दिया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**